www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 137 || अम्बेडकरनगर
शुक्रवार
07 अगस्त 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:33
सूर्यास्तः 06:51
अधिकतमः 33°00
न्यूनतमः 28°00

पेज 07

विशेष समाचार
मुख्यमंत्री आवास योजना... >>पेज 04
यूपी में 40 सरकारी स्कूलों ... >>पेज 06
'सलमान से खास कनेक्शन...

बोर्ड के गठन के बाद पहली बार सीएम योगी ने प्रतिनिधियों से किया संवाद

'आजादी के असली सेनानी हैं घुमंतू समाज के लोग'

संवाद

- मुख्यमंत्री योगी ने घुमंतू समुदायों को बताया स्वतंत्रता संग्राम का नायक।
- घुमंतू विकास बोर्ड के गठन पर प्रतिनिधियों से किया संवाद।
- सरकार कर रही है इन समुदायों के सामाजिक-आर्थिक उत्थान के प्रयास।

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ। कभी अंग्रेजों की नजर में "क्रिमिनल ट्राइब" घोषित कर दमन का शिकार बनाए गए विमुक्त एवं घुमंतू समुदायों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम का असली नायक बताया है। घुमंतू विकास बोर्ड के गठन पर आयोजित आभार कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहब भीमराव आंबेडकर ने इन समुदायों को कानूनी सम्मान दिलाया, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इनके सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पुनर्सम्मान के लिए ठोस पहल हुई है। मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित आभार कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विमुक्त, घुमंतू एवं अर्ध-घुमंतू समाज के प्रतिनिधियों से संवाद करते हुए कहा कि अंग्रेजों ने जिन घुमंतू जातियों को वर्ष 1871 के "क्रिमिनल ट्राइब एक्ट" के तहत अपराधी घोषित किया था, वे वास्तव में भारत की आजादी के लिए संघर्ष करने वाले समुदाय थे।

'घुमंतू' समाज अब बन रहा है 'टिकंतू' : असीम अरुण

समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने कहा कि यह बोर्ड विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं को विमुक्त एवं घुमंतू समाज तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का सेतु बनेगा और उनके जीवन में व्यापक परिवर्तन लाएगा। उन्होंने कहा कि आज परिवर्तन इतना स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि लोग कहने लगे हैं, यह समाज अब "घुमंतू" नहीं, "टिकंतू" हो रहा है। इनके पास अपना घर, बिजली, आजीविका के साधन और सम्मान के साथ आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

सरकारी योजनाओं के दायरे में लाने का किया काम

योगी ने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री ने पहली बार इन समुदायों के लिए आयोग का गठन किया और अब प्रदेश सरकार ने घुमंतू विकास बोर्ड के गठन का निर्णय लिया है। सरकार ने वनटांगिया गांवों को पहली बार राजस्व गांव का दर्जा दिलाया, मुसहर समाज को बुनियादी सुविधाओं से जोड़ा और थारू, बुक्सा, गोंड, चेरो, कोल, सहरिया सहित अनेक उपेक्षित समुदायों को सरकारी योजनाओं के दायरे में लाने का कार्य किया।

- युवाओं की अपेक्षाओं और आकांक्षाओं के अनुरूप तैयार होगी प्रदेश की एकीकृत युवा नीति
- युवाओं के समग्र विकास की निगरानी के लिए बने विशेषज्ञों का स्वतंत्र आयोग
- युवा नीति तैयार करने से पहले प्रदेश के 16 से 35 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की अपेक्षाओं, आकांक्षाओं और आवश्यकताओं को समझा जाए : मुख्यमंत्री
- शिक्षा, कौशल, रोजगार, स्वास्थ्य और नेतृत्व विकास को एकीकृत करेगी नई युवा नीति
- सरदार वल्लभभाई पटेल इंडस्ट्रियल एंड एम्प्लायमेंट ज़ोन की स्थापना शीघ्र प्रारम्भ करने के निर्देश

सीजेपी शुरू करेगी 'क्या बोलती पब्लिक' कैंपेन

अभिजीत दीपके गांव-शहरों में युवाओं से बात करेंगे

घोषणा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके सितंबर से देशभर में 'क्या बोलती पब्लिक' अभियान शुरू करेंगे। दीपके ने गुरुवार को महाराष्ट्र के संभाजीनगर में यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि हम गांव-शहर जाकर युवाओं से बात करेंगे। साथ ही, बेरोजगारी और महंगी शिक्षा को मुद्दा बनाएंगे। दीपके बोले- बेरोजगारी देश की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है और इसे देशव्यापी मुद्दा बनाया जाएगा। हम शिक्षा सुधारों पर काम करेंगे। शिक्षा को मुनाफा कमाने का जरिया बना दिया गया है, लेकिन हम इस व्यवस्था को बदलना चाहते हैं। नीट पेपर लीक को लेकर दीपके और उनकी पार्टी ने जंतर-मंतर पर 20 जून से 25 जुलाई तक, लगातार 36 दिनों तक धरना दिया था। 25 जुलाई को तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद CJP ने धरना समाप्त करने की घोषणा की थी।

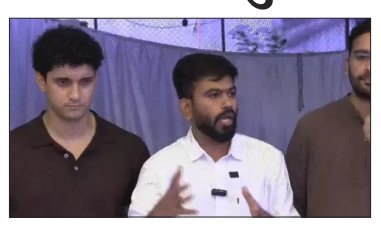

दीपके ने कहा- सीजेपी चुनावी राजनीतिक पार्टी नहीं बनेगी

अभिजीत दीपके ने कहा- CJP कोई चुनावी राजनीतिक पार्टी नहीं बनेगी, बल्कि देश के लोकतांत्रिक संस्थानों और शासन में जवाबदेही तय करने के लिए एक मजबूत पब्लिक प्रेशर ग्रुप के रूप में काम करेगी।

पत्रकार तेजपाल को रेप केस में 10 साल की सजा

पणजी। बॉम्बे हाईकोर्ट की गोवा बेंच ने गुरुवार को तहलका मैगजीन के पूर्व एडिटर-इन-चीफ तरुण तेजपाल को रेप केस में दोषी करार दिया। उन्हें 10 साल जेल की सजा सुनाई। कोर्ट ने कहा कि वे 2 हफ्ते में सरेंडर करें।

इससे पहले मई 2021 में गोवा की ट्रायल कोर्ट ने सबूतों के अभाव में तेजपाल को बरी कर दिया था। इसके बाद मामला हाईकोर्ट पहुंचा था। मामला नवंबर 2013 का है। तहलका की महिला पत्रकार ने आरोप लगाया था कि गोवा में आयोजित थिंक फेस्ट के दौरान 7 और 8 नवंबर की रात होटल की लिफ्ट में तरुण तेजपाल ने दो बार उनका यौन उत्पीड़न किया। हाईकोर्ट के फैसले पर तेजपाल ने कहा, 'हम फैसले से बहुत निराश हैं। हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे।

अतीक अहमद के 21 साल के बेटे की मौत

कार डिवाइडर से टकराई, आखिरी शब्द- मुझे बचा लो

दुर्घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । माफिया अतीक अहमद के सबसे छोटे बेटे अबान (21) की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह गुरुवार सुबह 5 बजे प्रयागराज से झांसी जेल में बंद बड़े भाई अली से मिलने जा रहा था। क्रेटा कार में अबान के साथ उसके 4 दोस्त थे।

झांसी से 70 किमी पहले सुबह 10.30 बजे पूंछ थाना इलाके में तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकरा गई। एअरबैग खुले, लेकिन टक्कर इतनी भीषण थी कि कार 7 फीट हवा में उछल गई। 40 फीट तक कार के टुकड़े हाईवे पर बिखर गए। कार का बायां हिस्सा चकनाचूर हो गया। अबान समेत सभी 5 लोग अंदर फंस गए। चीख-पुकार मच गई।

अबान अहमद, मृतक

- हादसा इतना भीषण था कि गाड़ी का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

फास्ट न्यूज

114 राफेल फाइटर जेट के लिए फ्रांस ने प्रस्ताव सौंपा

नई दिल्ली । फ्रांस ने भारत को 114 राफेल फाइटर जेट देने का प्रस्ताव सौंप दिया है। 3.25 लाख करोड़ रुपए के सौदे में फाइटर जेट का बड़े पैमाने पर स्थानीय स्तर पर निर्माण और उत्पादन शामिल है। यानी इसमें लगने वाले कलपुर्जे स्वदेशी फैक्टरियों में बनाए जा सकेंगे।

अलर्ट चेतावनी

दिल्ली-एनसीआर में तेज बारिश, ट्रैफिक जाम

नई दिल्ली। उत्तर और पूर्वोत्तर भारत में मानसूनी बारिश आफत ला रही है। दिल्ली और गुरुग्राम में गुरुवार को हुई भारी बारिश से कई इलाकों में सड़कों पर पानी भर गया। इससे सड़कों पर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया।

दिल्ली-जयपुर हाईवे, धौला कुआं, कालिंदी कुंज, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे, ग्रीन पार्क और एम्स समेत कई सड़कों पर गाड़ियां रेंगती नजर आईं। गुरुग्राम पुलिस ने निजी कंपनियों से कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम देने की अपील की है। उत्तराखंड के ऋषिकेश में गंगा नदी वॉर्निंग लेवल के ऊपर बह रही है। लोगों को घाटों पर न जाने की चेतावनी दी गई है।

केजरीवाल का दावा- मेरा इंस्टाग्राम अकाउंट बैन किया

नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को कहा कि उनका इंस्टाग्राम अकाउंट देश में बैन कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस बारे में मेटा से कई बार पूछने पर भी कोई जवाब नहीं आया।

केजरीवाल ने अपने अकाउंट स्टेटस पेज का एक स्क्रीनशॉट भी शेयर किया है।

झारखंड में प्रदर्शनकारी छात्र सरकार से बातचीत को तैयार

11 लोगों की टीम में 2 पत्रकार और 1 वकील

प्रस्ताव

तमसा संकेत, एजेंसी

रांची । झारखंड में PSC समेत अन्य भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी का विरोध कर रहे छात्रों को सरकार ने बातचीत का प्रस्ताव दिया है। छात्र इसके लिए तैयार हो गए। सरकार से बातचीत के लिए 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल जाएगा। इसमें 8 छात्र, 2 पत्रकार और 1 वकील होंगे। बातचीत के दौरान सिर्फ छात्र प्रतिनिधि ही अपनी बात रखेंगे।

जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में धरना दे रहे छात्र नेता रविंद्र पासवान ने कहा कि बुधवार को सरकार का प्रस्ताव लेकर आए SDO ने छात्र प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के नाम मांगे थे। अभी बैठक की तारीख और समय तय होगा बाकी है। छात्रों ने शर्त भी रखी कि कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद बात करें।

CM हेमंत सोरेन ने बातचीत के लिए चार मंत्रियों की कमेटी बनाई है। देवेंद्र नाथ महतो समेत 6 छात्र अनशन पर हैं। वे मामले में CBI-ED जांच की मांग कर रहे हैं।

- परीक्षा कराने वाली कंपनी का अकाउंटेंट गिरफ्तार

भागवत बोले हमें उनकी बात समझनी चाहिए, उनसे बात नहीं हुई तभी तो आंदोलन हुआ

जेन-जी हमारी पीढ़ी से ज्यादा ईमानदार, देशभक्त : भागवत

चर्चा

- मोहन भागवत ने मुंबई में जेन-जी से संवाद किया। इसमें करीब 2,000 छात्र शामिल हुए।

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई । संघ प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को मुंबई में Gen-Z और Gen-अल्फा से 1 घंटे तक संवाद किया। उन्होंने कहा कि जेन-जी और जेन-अल्फा, पुरानी पीढ़ी से भी ज्यादा देशभक्त और ईमानदार है।

उन्होंने कहा- हमें उनकी बात सुननी चाहिए। उनसे बातचीत में कमी थी, इसीलिए दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन हुआ।

उन्होंने ये बात मुंबई में इंडिया इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस यानी IIMUN की 15वीं वर्षगांठ पर कही। प्रोग्राम में 11 से 19 साल की उम्र के करीब 2,000 छात्र शामिल हुए। Gen-Z को आंदोलन नहीं करना चाहिए, यह तो हम नहीं कहेंगे। संविधान में लिखा है कि प्रदर्शन करना चाहिए, लेकिन यह कैसे करना है, उसे देखना चाहिए।

भागवत बोले लड़ाई के समय हमें सरकार का साथ देना चाहिए। लेकिन जब एक बार लड़ाई खत्म हो जाए, तो बातचीत का रास्ता ढूंढना चाहिए। क्योंकि लड़ाई परमानेंट नहीं होती।

भागवत ने कहा- सुधार के लिए आंदोलन जरूरी

भागवत बोले आंदोलन तब होता है, जब बातचीत नाकाम हो जाती है। अगर सरकार ने पहले ही बात कर ली होती, तो आंदोलन की जरूरत नहीं होती। आंदोलन भी बातचीत का एक तरीका है।

हम लोग जब Gen-Z की उम्र में थे, तब बड़े जो कहते थे, हम मान लेते थे, सवाल नहीं करते थे। आज की Gen-Z सवाल करती है। उन्हें जवाब चाहिए और प्यार भी चाहिए। शिक्षा कमर्शियल बिजनेस नहीं है। वह सर्वसुलभ हो, ऐसा इंफ्रास्ट्रक्चर होना चाहिए। ऐसा किसी ने नहीं कहा कि सरकार ही पूरी शिक्षा चलाए। हमें भी सहयोग करना होगा। तभी सुधार होगा। बाद में पाठ्यक्रम की बात आनी चाहिए।

नीट पेपर लीक के खिलाफ देशभर में प्रदर्शनों के बाद इसे आरएसएस का युवाओं के साथ सबसे अहम संवाद माना जा रहा है। जंतर-मंतर पर 36 दिन चले आंदोलन के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा था।

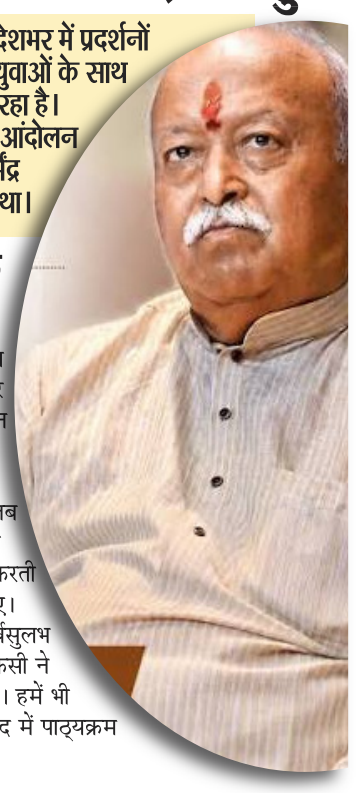

परियोजना : 158 कार्यों का लोकार्पण, 36 नई परियोजनाओं का शिलान्यास कर विकास को मिलेगा विस्तार

गोविंद साहब से जनकल्याण योजनाओं का होगा शुभारंभ

- लोक निर्माण, पेयजल, बिजली और पर्यटन क्षेत्र में बड़े निवेश से बदलेगी अम्बेडकरनगर की तस्वीर
- सीएम योगी जनसभा को संबोधित करेंगे तथा विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृतिपत्र एवं प्रमाणपत्र भी वितरित करेंगे

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, लखनऊ / अम्बेडकरनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को जनपद अम्बेडकरनगर का दौरा करेंगे। अम्बेडकरनगर तहसील आलापुर अंतर्गत विकासखंड रामनगर स्थित पूर्वांचल के सुप्रसिद्ध धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन स्थल गोविंद साहब में उनका दौरा प्रस्तावित है। इस दौरान वह विधानसभा क्षेत्र टांडा, आलापुर और जलालपुर क्षेत्रों में कुल 706.81 करोड़ रुपये की लागत वाली 194 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण तथा शिलान्यास करेंगे।

विधानसभा क्षेत्र टाण्डा के लोकार्पित होने वाले कार्य

राजस्व ग्राम सेमरा नसीरपुर के डिहवा सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य। राजस्व ग्राम लखनपुर के पण्डौलिया सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य। राजस्व ग्राम वाहिद पट्टी के खास सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य।राजस्व ग्राम नौरहनी रामपुर बिहारी का पुरवा सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य। राजस्व बीबीपुर के उसरा भरौटी सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य आदि।

706.81 करोड़ रुपये की 194 विकास परियोजनाओं की सौगात अम्बेडकरनगर को देंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री के इस कार्यक्रम में तीनों विधानसभा क्षेत्रों में सड़क, पेयजल, बिजली, पर्यटन, लोक निर्माण और कौशल विकास सहित अनेक विभागों की महत्वपूर्ण योजनाओं को नई गति मिलेगी। इन परियोजनाओं से स्थानीय लोगों को बेहतर सड़कें, स्वच्छ पेयजल, बिजली आपूर्ति और रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे। टांडा विधानसभा क्षेत्र में 69 परियोजनाओं पर 217.69 करोड़ रुपये, आलापुर में 75 परियोजनाओं पर 312.18 करोड़ रुपये तथा जलालपुर में 50 परियोजनाओं पर 176.93 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इनमें से शिलान्यास कार्यों की संख्या 36 और लागत 145.98 करोड़ रुपये है, जबकि लोकार्पण कार्यों की संख्या 158 और लागत 560.83 करोड़ रुपये है। इस दौरे से अम्बेडकरनगर में विकास का नया अध्याय शुरू होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार लगातार पिछड़े और विकास की प्रतीक्षा कर रहे क्षेत्रों में तेज गति से कार्य कर रही है। टांडा, आलापुर और जलालपुर जैसे क्षेत्रों में इन परियोजनाओं के पूरा होने से जनजीवन सुगम बनेगा और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में आम नागरिक शामिल होने वाले हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जनसभा को संबोधित करेंगे तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र एवं प्रमाणपत्र भी वितरित करेंगे।

विधानसभा क्षेत्र जलालपुर में लोकार्पित होने वाले कार्य

बन्दीपुर रोड से जैतपुर दक्षिण पुरवा मार्ग के पुनर्निर्माण का कार्य। नेवादा अमोला से उदया सम्पर्क मार्ग के पुनर्निर्माण का कार्य। आजनपारा से चकिया सम्पर्क मार्ग, जमलापुर चमरौट सम्पर्क मार्ग,मालीपुर धमरूआ नेमपुर घाट मार्ग, मालीपुर जलालपुर रामगढ़ मार्ग आदि हैं।

विधानसभा क्षेत्र आलापुर में लोकार्पित होने वाले कुछ कार्य

- ओझानगर बड़ी पण्डौली पिच से कठवत कोल गांव तक सम्पर्क मार्ग, एन०एच०-233 के किमी०-162 से दाएं कनकपुर होते हुए रुस्तमपुर तक सम्पर्क मार्ग, मंझरिया सम्पर्क मार्ग।
- चकमसेना हरिजन बस्ती सम्पर्क मार्ग, बधईपुर खास सम्पर्क मार्ग।
- रन्नूपुर बगिया खास सम्पर्क मार्ग,समैसा सोनहू सम्पर्क मार्ग।
- जैती हरिजन बस्ती सम्पर्क मार्ग,गंगासागर खास सम्पर्क मार्ग,नसीरपुर छितौना हरिजन बस्ती, किन्नूपुर हरिजन बस्ती सम्पर्क मार्ग, जोलहापुर हरिजन बस्ती सम्पर्क मार्ग आदि।

मां-बाप, बेटा-बहू, 2 बच्चे, मकान ढहा, कई फीट मलबे में दबे चीख तक नहीं पाए

परिवार के 6 लोगों की सोते वक्त मौत

दुर्घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रतापगढ़ । प्रतापगढ़ में लगातार बारिश के बीच 100 साल पुराना मकान ढह गया। हादसे में एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में माता-पिता, छोटा बेटा, बहू और उसके दो मासूम बच्चे शामिल हैं। 7 लोगों के परिवार में अब सिर्फ बड़ा बेटा जिंदा बचा है।

बुधवार रात गर्मी और उमस के कारण परिवार के सभी 7 सदस्य AC वाले कमरे में सो रहे थे। रात करीब 2 बजे, जब सभी गहरी नींद में थे, तभी अचानक कमरे की छत भरभराकर गिर गई। किसी को संभलने या मदद के लिए चीखने तक का मौका नहीं मिला।

छत गिरते ही पूरा परिवार कई

फीट ऊंचे मलबे में दब गया। बड़ा बेटा अमन कमरे के किनारे सो रहा था। वह किसी तरह मलबे से बाहर निकल आया और शोर मचाकर आसपास के लोगों को बुलाया। सूचना मिलने पर पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। करीब दो घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सभी को मलबे से निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने छह लोगों को मृत घोषित कर दिया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, मलबे में दबने और दम घुटने से उनकी मौत हो गई। इसके बाद मैं जोर-जोर से चिल्लाया और आसपास के लोगों व परिवार के अन्य सदस्यों को बुलाया। सूचना मिलते ही लोग मौके पर पहुंचे।

'आंख खुली तो सब मलबे में दबे थे, मैं जोर-जोर से चिल्लाया'

हादसे में बचे अमन श्रीवास्तव ने बताया, रात करीब साढ़े 10 बजे हम सभी खाना खाकर सो गए थे। कमरे में मैं, मेरी पत्नी, मेरे दो छोटे बेटे, मम्मी, पापा और छोटा भाई थे। रात डेढ़ से 2 बजे के बीच अचानक तेज धमाके जैसी आवाज हुई। आंख खुली तो पूरा कमरा मलबे में तब्दील हो चुका था। मेरा शरीर भी मिट्टी में दबा था। किसी तरह बाहर निकला तो देखा कि पूरा परिवार मलबे के नीचे दबा हुआ था। मैंने अकेले सभी को निकालने की कोशिश की, लेकिन मलबा इतना ज्यादा था कि कुछ नहीं कर सका।

पुश्तैनी मकान में रहता था परिवार

प्रमोद श्रीवास्तव दो भाइयों में बड़े थे। छोटे भाई पवन ने अलग मकान बनवा रखा है। वे प्रतापगढ़ कचहरी परिसर में चाय की दुकान चलाते हैं। प्रमोद पुश्तैनी मकान में रहते थे और रिक्शा चलाकर परिवार पालते थे। उनकी पत्नी गृहिणी थीं। कुछ समय पहले दोनों भाइयों ने अपनी पैतृक जमीन करीब 75 लाख रुपए में बेची थी। प्रमोद का मकान 1,300 वर्गफीट में बना था। इसमें दो कमरे, रसोई, शौचालय और बाथरूम थे। पूरे घर के चारों ओर बाउंड्रीवाल थी। तीन साल पहले मकान की पहली मंजिल की दीवारें खड़ी की गई थीं। आर्थिक तंगी के कारण उस पर लिंटर नहीं डल सका था। परिवार अब लिंटर डलवाने की तैयारी कर रहा था। प्रमोद के छोटे बेटे नितिन की अभी शादी नहीं हुई थ

हादसे में मकान मालिक प्रमोद श्रीवास्तव (60), उनकी पत्नी रीता (55), छोटा बेटा नितिन (25), बहू माधुरी (23) और माधुरी के दो बेटे माधव (2) व अद्विक (10 माह) की मौत हो गई।

बड़ा बेटा अमन (28) हादसे में बच गया। उसका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। यह हादसा नगर कोतवाली क्षेत्र के महुली मोहल्ले में हुआ।

मुख्यमंत्री ने प्रतापगढ़ हादसे में हुई जनहानि पर जताया शोक

प्रशासनिक अधिकारियों से ली अपडेट, घायल के समुचित इलाज का दिया निर्देश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घायल अमन के शीघ्र स्वास्थ्य की कामना की

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रतापगढ़ में देर रात की घटना में हुई जनहानि पर शोक जताया। बारिश की वजह से नगर कोतवाली क्षेत्र के महुली वार्ड में करीब 100 वर्ष पुराना मकान गिर गया। इसके मलबे में दबकर छह लोगों की मौत हो गई, जबकि परिवार का एक सदस्य घायल है। घटना के समय परिवार के सभी सदस्य एक ही कमरे में सो रहे थे। जानकारी मिलते ही प्रशासन और पुलिस के अधिकारी टीम के साथ राहत-बचाव कार्यों में जुट गए।

हादसे में महुली निवासी नितिन श्रीवास्तव (24), माधव (2), रीता श्रीवास्तव (42),प्रमोद श्रीवास्तव (45), माधुरी (24), बाबू (6 माह) का निधन हो गया, जबकि अमन श्रीवास्तव घायल हैं। मुख्यमंत्री ने स्थानीय जिला प्रशासन व मुख्य चिकित्सा अधिकारी को घायल अमन के समुचित इलाज का निर्देश दिया है।

इस दुखद घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर पोस्ट कर संवेदना व्यक्त की। उन्होंने लिखा कि जनपद प्रतापगढ़ में दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुःखद है। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान तथा घायल को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

फास्ट न्यूज

सीएनजी सिलेंडर से गैस रिसाव

वाराणसी । वाराणसी के बड़ागांव थाना क्षेत्र में बाबतपुर फोरलेन पर बुधवार देर रात सीएनजी सिलेंडर ले जा रहे वाहन से अचानक गैस रिसाव होने लगा। घटना वाराणसी एयरपोर्ट से करीब एक किलोमीटर पहले हुई, जिससे कुछ देर के लिए इलाके में हड़कंप मच गया।

चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए वाहन को तुरंत सड़क किनारे खड़ा कर दिया और कंपनी व फायर ब्रिगेड को सूचना दी।

गोरखपुर में बस की टक्कर से युवक की मौत

गोरखपुर । गोरखपुर में गुरुवार सुबह करीब 5:30 बजे तेज रफ्तार रोडवेज बस की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक बस लेकर मौके से फरार हो गया। युवक की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर उसकी शिनाख्त कराने में जुटी है। हादसा शास्त्री चौक पर हुआ। हादसे में बस का पहिया युवक के हाथ पर चढ़ गया, जिससे उसका हाथ और मोबाइल फोन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि बस और चालक की पहचान की जा सके।

गोरखपुर में सड़क पर उतरी महिलाएं

गोरखपुर । गोरखपुर में गुरुवार को रानी लक्ष्मीबाई महिला संगठन के बैनर तले सैकड़ों महिलाओं ने जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। महिलाओं ने विभिन्न समस्याओं को लेकर नारेबाजी करते हुए प्रशासन को छह सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना और आंगनबाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं के मानदेय समेत कई मुद्दे उठाए।

मदरसा जाते समय जर्जर दीवार ढही, सगे भाई-बहन की मौत

बाराबंकी में 5 मासूम मलबे में दबे, 3 घायल

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी । बाराबंकी में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में दो मासूम भाई-बहन की मौत हो गई, जबकि तीन बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ, जब पांचों बच्चे मदरसा पढ़ने के लिए जा रहे थे। रास्ते में अचानक करीब 100 साल पुरानी जर्जर ईंट की दीवार भरभराकर बच्चों के ऊपर गिर गई। हादसे के बाद गांव में चीख-पुकार मच गई।

घटना दरियाबाद कोतवाली क्षेत्र के गुलचप्पा कलां (अलियाबाद) गांव की है। मृतकों की पहचान 7 वर्षीय हुजैफा और उसकी बड़ी बहन 14 वर्षीय हाजरा बानो के रूप में हुई है। दोनों भाई-बहन मदरसा खानका अबू अहमदिया में पढ़ते थे। हादसे में परिवार के तीन अन्य बच्चे भी घायल हुए हैं, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। दोनों बच्चों की मौत से

बुरी तरह टूटे पिता मुस्लिम ने कहा- दोनों बच्चे ही मेरा सहारा थे। हुजैफा नर्सरी में पढ़ता था, जबकि हाजरा बानो कक्षा 5 की छात्रा थी। बच्चे मदरसा पढ़ने जा रहे थे। तभी अचानक दीवार गिर गई। दीवार करीब 100 साल पुरानी थी और कई दिनों से एक तरफ झुकी हुई थी। हमारे दोनों बच्चों की मौत हो गई। मेरे तो दोनों सहारे छिन गए। पूरा घर ही सूना हो गया। मेरे सगे छोटे भाई छोटे भाई के दोनों बच्चे भी बुरी तरह घायल हैं। एक चचेरे भाई का बेटा भी गंभीर घायल है। उन्होंने बताया कि बारिश के कारण दीवार और कमजोर हो गई थी।

'उमाशंकर सिंह ने कभी धोखा नहीं दिया'

अपने इकलौते विधायक के अंतिम दर्शन कर मायावती भावुक बोलीं- बेटे को राजनीति में आगे बढ़ाऊंगी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/बलिया । यूपी में बसपा के इकलौते विधायक उमाशंकर सिंह का पार्थिव शरीर गुरुवार सुबह दिल्ली से लखनऊ लाया गया। अंतिम दर्शन के लिए उनके आवास पर रखा गया। बसपा सुप्रीमो मायावती ने पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान वह भावुक नजर आईं। उन्होंने विधायक के बेटे को ढांढस बंधाते हुए कहा, बसपा परिवार आपके साथ है।

मायावती ने कहा-उमाशंकर सिंह मुझे अपनी सगी बहन की तरह मानते थे। रक्षाबंधन पर मैं लखनऊ में रहूं या दिल्ली में, वह हर साल मुझसे राखी बंधवाने आते थे। राजनीति में कई लोगों ने साथ छोड़ा, लेकिन उमाशंकर सिंह ने कभी धोखा नहीं दिया। उनका यह अपनापन मैं कभी नहीं भूल सकती।

उन्होंने कहा-अगर परिवार की इच्छा होगी तो उनके बेटे को

यूपी की राजनीति ने एक महत्वपूर्ण नेता खो दिया- सतीश महाना

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने विधायक उमाशंकर सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा,रउत्तर प्रदेश की राजनीति ने एक महत्वपूर्ण नेता को खो दिया है। उनके सभी दलों के नेताओं से मधुर और सौहार्दपूर्ण संबंध थे। विधानसभा में वह अपने विचार पूरी दृढ़ता और प्रभावशाली ढंग से रखते थे। जब भी वह सदन में बोलते थे, पूरा सदन उनकी बात को गंभीरता से सुनता था।

राजनीति में आगे बढ़ने का पूरा अवसर दूंगी। उन्हें वही सम्मान और महत्व दिलाने का प्रयास करूंगी, जो उमाशंकर

विधायक उमाशंकर सिंह के रसड़ा स्थित घर पर लोगों का आना-जाना शुरु हो गया है। विधायक का शव लखनऊ आवास से बलिया के लिए निकल गया है। विधायक का अंतिम संस्कार रसड़ा में ही होना है।

सिंह को पार्टी में मिला था। सीएम योगी ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। विधायक के बेटे ने सीएम के पैर छुए। सीएम ने बेटे को ढांढस बंधाया। योगी के साथ मंत्री सुरेश खन्ना और स्वतंत्र देव सिंह भी पहुंचे थे। मंत्री दयाशंकर सिंह, ओम प्रकाश राजभर, संजय निषाद और बाहुबली धनंजय सिंह भी विधायक को श्रद्धांजलि देने पहुंचे।

पुरोहित ने बताया- कल होगा उमाशंकर सिंह का अंतिम संस्कार

बसपा के इकलौते विधायक उमाशंकर सिंह के पुरोहित अंजनी कुमार शुक्ला ने कहा, सूचना मिलते ही मैं यहां पहुंच गया। अंतिम संस्कार की सभी तैयारियां और आवश्यक प्रक्रियाएं चल रही हैं। बताया जा रहा है कि शाम करीब 5-6 बजे तक उनका पार्थिव शरीर यहां पहुंच जाएगा। इसके बाद सुबह अंतिम संस्कार किया जाएगा। उन्होंने कहा, उमाशंकर जी छोटे बच्चे से भी उसी आत्मीयता से बात करते थे, जैसे किसी बुजुर्ग से। उनका व्यवहार बेहद स्नेहपूर्ण था। उनके निधन से बहुत दुख और पीड़ा हुई है। हम अपना दुख शब्दों में बयां नहीं कर सकते।

मैंने किसी की साड़ी नहीं खींची : बृजभूषण

धन्यवाद देवियों, जो लांछन लगाकर फेमस कर दिया, 1000 गाड़ियों के साथ शक्ति प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

गोंडा। महिला पहलवानों से जुड़े यौन शोषण केस में बरी होने के बाद पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह गुरुवार को पहली बार अयोध्या पहुंचे। उन्होंने यहां शक्ति प्रदर्शन किया। खुली जीप में खड़े होकर अयोध्या से गोंडा तक तक रोड शो किया। बृजभूषण के साथ 1000 कार और बाइकों का काफिला चला। 50 किमी के रास्ते में समर्थक उन पर फूल बरसाते रहे। 'शेर आया शेर आया' के नारे लगाते रहे। विधायक बेटे प्रतीक ने गदा लहराई। इस रोड शो का नाम दिया- सत्यमेव जयते।

गोंडा में बृजभूषण का उनके स्कूल में स्वागत कार्यक्रम हुआ। इस दौरान उन्होंने हजारों समर्थकों की भीड़ को संबोधित किया। कहा-मैं झुक जाता, तो मसला हल हो जाता, लेकिन मेरे किरदार का कत्ल हो जाता। मेरे खिलाफ लगाया गया

आरोप केवल गुड टच और बैड टच से जुड़ा है। मैंने किसी की साड़ी खींचने का काम नहीं किया। मेडल पहनाते-पहनाते टच हो गया होगा, उसी पर तूफान खड़ा कर दिया। यौन शोषण का आरोप लगाकर प्रदर्शन करने वाली महिला पहलवानों पर तंज कसा। कहा- इन देवियों ने कैकेयी की तरह लांछन लगाकर मुझे फेमस कर दिया। मुझे दोषी साबित करने में देश के 42 बड़े नामचीन लोग और विपक्षी पार्टियां लगी हुई थीं।

शिखंडी की तरह पीछे से छिपकर वार मत करो। सामने आकर लड़ो। दुनिया में यौन उत्पीड़न के मामले में इतना बड़ा आंदोलन कभी नहीं हुआ। डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ भी नहीं हुआ, किसी रेपिस्ट के खिलाफ भी नहीं

बृजभूषण ने हनुमानगढ़ी में दर्शन किए, बेटे ने कहा- सत्य की जीत हुई

बृजभूषण की फ्लाइट सुबह 11 बजे अयोध्या के इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरी। एयरपोर्ट पर 2 हजार से ज्यादा समर्थकों ने गाजे-बाजे के साथ स्वागत किया। माला पहनाई। जयकारे लगाए। एयरपोर्ट से खुली जीप में वह हनुमानगढ़ी पहुंचे। उस समय मंदिर में आरती और भोग का समय चल रहा था। उन्होंने मंदिर के बाहर से ही दर्शन-पूजन किया। संतों का आशीर्वाद लिया। इसके बाद काफिले के साथ गोंडा पहुंचे। वहां 200 बटुकों और प्रशंसकों ने बृजभूषण का भव्य स्वागत किया। बेटे प्रतीक ने कहा- अब नेताजी घर वापस आए हैं, लोगों में उत्साह है। सत्य की जीत हुई है। थोड़ा समय लगा। लेकिन ये जीत अच्छी लग रही है।

हुआ। बृजभूषण सिंह ने कहा- सुना है कि वो लोग हाईकोर्ट जाने वाले हैं। हाईकोर्ट जाएं तो मैं फिर से चर्चा में आ जाऊंगा। राजनीति के लिए तो जरूरी ही है- 'चर्चा–पर्चा–खर्चा'। मैं भी चाहता हूं कि मेरी चर्चा तब तक समाप्त न हो, जब तक मेरे हाथ

बृजभूषण के विधायक बेटे प्रतीक ने रोड शो में गदा लहराकर जश्न मनाया।

से कोई बड़ा काम नहीं हो जाता। दरअसल, 3 अगस्त को बृजभूषण सिंह को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने महिला पहलवानों से जुड़े यौन शोषण मामले में बरी किया था। फैसले पर पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने कहा था- हमने उम्मीद नहीं छोड़ी है। हाईकोर्ट में फैसले को चुनौती देंगे। बृजभूषण ने कहा- पहले दिन ही मैंने कहा था अगर आरोप साबित हुए तो मैं खुद फांसी पर लटक जाऊंगा।

गोरखपुर में राज्यपाल के कार्यक्रम के बीच हंगामा

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर में गुरुवार को सुबह 11 बजे डीडीयू यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह के दौरान एबीवीपी के कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच जमकर हंगामा हो गया। इस दौरान एबीवीपी के प्रांत संगठन मंत्री पुनीत अग्रवाल और कैंट थाना प्रभारी संजय सिंह के बीच झड़प भी हुई। जिससे मौके पर कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया। एक ओर विश्वविद्यालय के दीक्षा भवन में दीक्षांत समारोह का कार्यक्रम चल रहा था, वहीं दूसरी ओर परिसर के बाहर सड़क पर एबीवीपी कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच विवाद होता रहा।

मामला इतना बढ़ गया कि ABVP कार्यकर्ता शिकायत करने एसएसपी ऑफिस पहुंच गए। एसएसपी डॉ. कौस्तुभ और ABVP कार्यकर्ताओं के बीच करीब आधे घंटे तक बातचीत हुई। इसके बाद थाना प्रभारी संजय सिंह को निलंबित

दीक्षांत समारोह में एंट्री को लेकर डीडीयू गेट पर एबीवीपी और पुलिस में झड़प, थाना प्रभारी सस्पेंड

कर दिया गया और विभागीय जांच के निर्देश दिए गए हैं।

जानकारी के अनुसार, विश्वविद्यालय में आयोजित दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए एबीवीपी के प्रांत संगठन मंत्री को आमंत्रण मिला था। सुबह 11 बजे वो कार्यक्रम में शामिल हुए। अभी उनके साथी भी इस दीक्षांत में शामिल होने के लिए मुख्य गेट पर पहुंचे। लेकिन उनको एंट्री नहीं मिली। तभी प्रांत संगठन मंत्री पुनीत अग्रवाल गेट पर अपने साथी को लेने पहुंच गए।

पूछताछ : श्मशान में 45 मिनट चीखी थी 10 साल की बच्ची

गोरखपुर घर से चाकू लेकर निकला था सिपाही

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर में 10 साल की बच्ची से श्मशान में रेप-हत्या करने वाला सिपाही पुलिस लाइन से चाकू लेकर निकला था। उसने पहले से ये तय कर लिया था कि आज किसी लड़की के साथ गलत काम करूंगा। सिपाही अपनी पत्नी और 2 बच्चों से अलग रहता था। उसे लड़कियों और महिलाओं से नफरत थी। लड़कियों को तड़पता-चिल्लाता देखकर उसे अच्छा लगता था। घटना वाले दिन भी श्मशान घाट पर करीब 45 मिनट तक बच्ची दर्द से तड़पकर चीखती-चिल्लाती रही।

सिपाही ने रेप करने के बाद उसका गला दबाया। फिर चाकू से चेहरा बिगाड़ा। इसके बाद बच्ची के लोअर से डोरी निकाली और उससे

हाथ पीछे करके बांध दिए। फिर बच्ची को चिउटहा पुल से नीचे फेंक दिया।

ये बातें रिमांड पर लिए गए सिपाही अभिषेक यादव ने पुलिस को बताईं। अभिषेक गोरखपुर के एक भाजपा विधायक का गनर भी रह चुका है।

गोरखपुर जिला अस्पताल से 28 जुलाई की रात सिपाही ने 10 साल की बच्ची का अपहरण के बाद रेप कर हत्या कर दी थी। 4 अगस्त (मंगलवार) को जेल में बंद सिपाही अभिषेक यादव को 10 घंटे कस्टडी रिमांड पर लिया गया। सुबह करीब 6 बजे पुलिस कड़ी सुरक्षा के बीच सिपाही को जिला जेल से बाहर लाई। पहले उससे करीब 6:45 घंटे तक पूछताछ की गई।

सिपाही अभिषेक यादव ने पुलिस को बताया कि बच्ची के चीखने-चिल्लाने पर मुझे डर लगा कि आसपास के लोग आ सकते हैं। इसी वजह से मैंने उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। फिर पहचान छिपाने और सबूत मिटाने के लिए शव को क्षत-विक्षत कर रोहिणी नदी में फेंक दिया।

इसके बाद सिपाही को घटनास्थल पर ले जाकर सीन रीक्रिएशन कराया गया।

डंपिंग यार्ड निर्माण को जल्द मिलेगी रफ्तार

डंपिंग यार्ड के लिए योगी सरकार ने बढ़ाया कदम, पांच जिलों में निर्माण के लिए 6.03 करोड़ रुपये की मंजूरी दी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश में परिवहन व्यवस्था को और बेहतर व व्यवस्थित बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। इसी दिशा में मंडलीय मुख्यालयों पर डिटेंशन/डंपिंग यार्ड विकसित किए जा रहे हैं। प्रदेश के पांच जिलों में इन यार्ड के निर्माण के लिए कार्यदायी संस्था सीएनडीएस को कुल 6.03 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति दी गई है।

परिवहन विभाग के मुताबिक बुलंदशहर, शामली, शाहजहांपुर, पीलीभीत और बाराबंकी में डिटेंशन/डंपिंग यार्ड के निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई है। बाराबंकी, पीलीभीत और शाहजहांपुर के लिए दूसरी और शेष किश्त के रूप में क्रमशः 1.62 करोड़, 1.44 करोड़ और 1.34 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। इसमें मिट्टी भराई के लिए

16.04 लाख रुपये भी शामिल हैं। स्वीकृत राशि को कार्यदायी संस्था के खाते में भेजने की कार्रवाई की जा रही है। इसके साथ ही लखनऊ और औरैया में भी डिटेंशन यार्ड बनाने की दिशा में काम आगे बढ़ा है। इन दोनों जिलों में निःशुल्क भूमि उपलब्ध होने की सूचना मिली है। लखनऊ के लिए 2.55 करोड़ रुपये और औरैया के लिए 4.07 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। इन दोनों मामलों में प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति जारी होने के साथ धनराशि कार्यदायी संस्था के खाते में भेजी जा चुकी है। वहीं, उन्नाव और अलीगढ़ में भी डिटेंशन यार्ड के लिए निःशुल्क भूमि उपलब्ध होने के बाद आगणन (आकलन) तैयार करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई है। आगणन का परीक्षण समिति द्वारा किया जा चुका

"योगी सरकार की इस पहल से परिवहन विभाग की प्रवर्तन कार्रवाई के दौरान रोके जाने वाले वाहनों को रखने के लिए बेहतर और व्यवस्थित जगह उपलब्ध होगी। डंपिंग यार्ड विकसित होने से वाहनों के रख-रखाव और प्रवर्तन व्यवस्था को और मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।

वाहनों की निगरानी व रिकॉर्ड प्रबंधन होगा बेहतर

डिटेंशन/डंपिंग यार्ड बनने से परिवहन विभाग को प्रवर्तन कार्रवाई में सुविधा मिलेगी। जांच के दौरान रोके या जब्त किए गए वाहनों को सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से रखने के लिए निर्धारित स्थान उपलब्ध होगा। इससे सड़कों या अन्य सार्वजनिक स्थानों पर जब्त वाहनों को खड़ा करने की समस्या कम होगी। वाहनों की निगरानी और रिकॉर्ड प्रबंधन भी बेहतर तरीके से किया जा सकेगा। मंडलीय मुख्यालयों पर डंपिंग यार्ड विकसित होने से परिवहन विभाग की प्रवर्तन व्यवस्था मजबूत होगी और कार्रवाई को अधिक व्यवस्थित ढंग से संचालित करने में मदद मिलेगी।

है और इसे शासन को भेजने की तैयारी है। अपर परिवहन आयुक्त प्रवर्तन केडी सिंह गौर ने बताया कि प्रदेश के कई जनपदों में पकड़े गए वाहनों को थानों में निरुद्ध करने की समस्या है। थानों में जगह न होने के कारण वाहनों को चालान करके छोड़ना पड़ता है। वाहनों को निरुद्ध करने के लिए सुरक्षित अभिरक्षा के लिए स्थान की अनुपलब्धता, प्रभावी प्रवर्तन कार्रवाई के लिए बड़ी बाधा है।

मुख्यमंत्री कार्यक्रम की तैयारियों की जांच

सुरक्षा से लेकर पार्किंग तक की व्यवस्था परखी, अधिकारियों को समय से काम पूरा करने के निर्देश

जायजा

डीएम-एसपी ने संभाली कमान

बृजेंद्र वीर सिंह

पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था और आम लोगों के सुगम आवागमन को लेकर सतर्क रहने को कहा।

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। गोविंद साहब में शुक्रवार को होने वाले मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। गुरुवार को जिलाधिकारी ईशा प्रिया और पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने कार्यक्रम स्थल पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। दोनों अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर मंच व्यवस्था, सुरक्षा इंतजाम, लोगों के प्रवेश और निकास, पार्किंग, यातायात व्यवस्था सहित अन्य तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों से अब तक हुए कार्यों की समीक्षा की और शेष व्यवस्थाएं जल्द पूरी करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को देखते हुए प्रशासन ने सभी विभागों को जिम्मेदारी सौंप दी है। अधिकारियों ने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर व्यवस्थाएं समय से पूरी कर ली जाएंगी। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ज्योत्स्ना बंधु, अपर पुलिस अधीक्षक, ड्यूटी में लगाए गए मजिस्ट्रेट और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा को लेकर अलर्ट पुलिस

उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यक्रम के दौरान पुलिस कर्मी अनुशासन बनाए रखें और लोगों के साथ सहयोगात्मक व्यवहार करें।

हर व्यवस्था पर नजर, अधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी

स्थल निरीक्षण के बाद जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने कार्यक्रम में लगाए गए अधिकारियों, पुलिस-कर्मियों और मजिस्ट्रेटों के साथ बैठक की। इसमें सभी को उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराया गया।

जिलाधिकारी ने कहा कि कार्यक्रम में आने वाले लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए सभी विभाग आपसी तालमेल के साथ काम करें। उन्होंने यातायात संचालन, पार्किंग और सुरक्षा व्यवस्था को व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए।

गोविंद साहब में ग्राम चौपाल, कई शिकायतों का मौके पर निस्तारण

तमसा संकेत, संवाददाता

जल निकासी की समस्या पर तुरंत कार्रवाई, आवास और शौचालय योजनाओं के लिए किए गए आवेदन

अम्बेडकरनगर। ग्रामीणों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान और सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से गुरुवार को विकासखंड रामनगर के गोविंद साहब में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ईशा प्रिया के निर्देश पर आयोजित चौपाल में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने ग्रामीणों की शिकायतें सुनीं और कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण कराया।

चौपाल में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) रंजीत सिंह, जिला विकास अधिकारी सविता सिंह, तहसीलदार आलापुर तथा अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने एक-एक कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

चौपाल के दौरान सबसे अधिक शिकायतें जल निकासी से जुड़ी सामने आईं। इस पर तत्काल सफाई कर्मियों की टीम मौके पर भेजी गई। टीम ने प्रभावित स्थानों पर पहुंचकर जल निकासी की व्यवस्था शुरू कराई, जिससे समस्या के समाधान की प्रक्रिया तत्काल शुरू हो सकी। प्रधानमंत्री आवास योजना और शौचालय निर्माण से संबंधित मामलों पर भी अधिकारियों ने जानकारी दी। पात्र लाभार्थियों को आवास सर्वे सूची में शामिल होने की प्रक्रिया समझाई गई। वहीं शौचालय योजना का लाभ लेने के इच्छुक लोगों के ऑनलाइन आवेदन ग्राम पंचायत सचिव की ओर से मौके पर ही कराए गए।

ग्राम चौपाल में चकमार्ग, नाली और अन्य स्थानीय समस्याओं पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए, ताकि ग्रामीणों को जल्द राहत मिल सके। अधिकारियों ने ग्रामीणों को केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि पात्र व्यक्ति निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन कर योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही लोगों से अपील की गई कि किसी भी समस्या या योजना से जुड़ी जानकारी के लिए संबंधित विभाग से संपर्क करें।

फास्ट न्यूज

मिशन शक्ति के तहत दो पारिवारिक विवाद सुलझे

अम्बेडकरनगर। जिले में मिशन शक्ति अभियान के तहत पुलिस ने दो पारिवारिक विवादों का काउंसिलिंग के माध्यम से समाधान कराया। जहांगीरगंज और बेवाना थानों में पहुंचे मामलों में पुलिस टीम ने दोनों पक्षों की बातचीत कराकर आपसी सहमति बनवाई। जहांगीरगंज थाना क्षेत्र के मालपुर नरियांव निवासी पूनम देवी ने अपने पति अजय के साथ चल रहे पारिवारिक विवाद को लेकर पुलिस से शिकायत की थी।

सेवा कार्यों के साथ मना अनूप गुप्ता का जन्मदिन

अंबेडकरनगर। भाजपा एमएलसी और पूर्व प्रदेश महामंत्री अनूप गुप्ता का जन्मदिन गुरुवार को सेवा कार्यों के साथ मनाया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष ओमकार गुप्ता के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने किछौछा स्थित कैंप कार्यालय में हवन किया, वृक्षारोपण किया और केक काटकर शुभकामनाएं दीं। इसके बाद कार्यकर्ता बसखारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। यहां मरीजों को फल वितरित किए गए। जिला मुख्यालय स्थित बुद्धा आश्रम में वृद्धजनों को भोजन भी कराया गया।

अभाविप का जिला अभ्यास वर्ग संपन्न

अंबेडकरनगर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) अंबेडकरनगर का एक दिवसीय जिला अभ्यास वर्ग अकबरपुर नगर स्थित ईसीआई महिला पीजी कॉलेज में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रांत सह संयोजक मानवेन्द्र प्रताप सिंह बतौर प्रांत प्रवासी शामिल हुए। अभ्यास वर्ग पांच सत्रों में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

लखनऊ में डिलीवरी के साथ महिला का ओपन हार्ट सर्जरी

पीजीआई में 34वें हफ्ते में 2 किलो की बेटी हुई

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। 26 साल की महिला पहली बार मां बनने वाली थी। गर्भावस्था के 32वें सप्ताह में अचानक उसकी सांस फूलने लगी और दिल की धड़कन तेज हो गई। जांच हुई तो पता चला कि दिल के दो वाल्व खराब हैं। एक तरफ मां की जान पर खतरा तो दूसरी तरफ गर्भ में पल रही बच्ची की जिंदगी दांव पर लगी थी। ऐसे में SGPGI के डॉक्टरों ने एक साथ सिजेरियन और ओपन हार्ट सर्जरी करने का फैसला लिया। करीब साढ़े चार घंटे चले ऑपरेशन के बाद मां और नवजात बेटी दोनों सुरक्षित हैं। संस्थान के अनुसार, यह उत्तर प्रदेश का पहला और देश का चौथा केस है। सिजेरियन सर्जरी करने वाली डॉ. नीता सिंह ने बताया कि बिहार के छपरा की रहने वाली महिला पहली बार मां बनने वाली थी। गर्भावस्था के 32वें सप्ताह में उसे सांस लेने में तकलीफ और दिल की धड़कन तेज होने की शिकायत पर SGPGI में भर्ती हुई। जांच में दिल के दो वाल्व गंभीर रूप से खराब मिले। पल्मोनरी हाइपरटेंशन की भी पुष्टि हुई। गर्भावस्था जारी रहने या सामान्य प्रसव की स्थिति में मां और बच्चे दोनों की जान को गंभीर खतरा था।

मां और बच्चे दोनों की जान पर खतरा देखते हुए SGPGI के डॉक्टरों ने इसे स्पेशल केस की तरह ट्रीट करने का फैसला लिया। मैटरनल एंड रिप्रोडक्टिव हेल्थ, कार्डियोलॉजी, कार्डियोवैस्कुलर एंड थोरेसिक सर्जरी, कार्डियक एनेस्थिसियोलॉजी और नियोनेटोलॉजी विभाग के विशेषज्ञों ने संयुक्त योजना बनाई।

पहली बरसात में खुली मिशन शक्ति केंद्र की पोल, छत से टपका पानी

अभिलेख और फर्नीचर बचाने में जुटे कर्मचारी, भवन के रखरखाव पर उठे सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। बारिश की पहली तेज मार में मिशन शक्ति केंद्र भवन की स्थिति सामने आ गई। बरसात के दौरान भवन के अंदर पानी टपकने लगा। इससे कमरे में रखे फर्नीचर, जरूरी अभिलेख और अन्य सामान के खराब होने का खतरा बढ़ गया।

पानी आने के बाद कर्मचारियों को सामान सुरक्षित स्थान पर रखना पड़ा। लगातार टपकाव से भवन के अंदर कामकाज प्रभावित हुआ। कर्मचारियों ने स्थिति संभालते हुए जरूरी दस्तावेजों को सुरक्षित किया।

बताया गया कि भवन के ऊपर लगे टीन शेड का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त होने के कारण बारिश का पानी अंदर पहुंच रहा है। लोगों का कहना है कि यदि समय पर मरम्मत नहीं कराई गई तो भवन को भी नुकसान हो सकता है।

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने निर्माण और रखरखाव व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि मिशन शक्ति केंद्र महिलाओं से जुड़ी शिकायतों और सहायता के लिए महत्वपूर्ण स्थान है। ऐसे भवन में बारिश के दौरान इस तरह की समस्या चिंता का विषय है।

बारिश के समय केंद्र पर पहुंचने वाली महिलाओं और फरियादियों को भी परेशानी उठानी पड़ी। लोगों ने सरकारी भवनों की नियमित जांच और समय पर मरम्मत कराने की मांग की है।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अजय प्रताप सिंह यादव ने बताया कि टीन शेड क्षतिग्रस्त होने से पानी अंदर आ रहा है। इसकी जानकारी संबंधित विभाग को दे दी गई है। जल्द ही मरम्मत कराकर समस्या का स्थायी समाधान कराया जाएगा। मिशन शक्ति केंद्र में पानी टपकने की घटना के बाद अब भवन के रखरखाव और नियमित निरीक्षण की जरूरत पर जोर दिया जा रहा है, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति से बचा जा सके।

बारिश बनी आफत, देर रात भरभराकर गिरा कच्चा मकान

तमसा संकेत, संवाददाता

नाथमलपुर हेठरिया में हादसा, बाहर सो रहा था परिवार इसलिए टली बड़ी घटना

अंबेडकरनगर। लगातार बारिश के बीच जहांगीरगंज विकासखंड के नाथमलपुर हेठरिया गांव में मंगलवार देर रात एक कच्चा मकान अचानक ढह गया। हादसे में परिवार के सभी सदस्य सुरक्षित बच गए। मकान गिरने के समय परिवार के लोग बाहर सो रहे थे। राजेसुल्तानपुर थाना क्षेत्र के नाथमलपुर हेठरिया निवासी शिवआसरे वर्मा का खपरैलनुमा कच्चा मकान बारिश के कारण कमजोर हो गया था। रात में अचानक मकान का एक हिस्सा तेज आवाज के साथ गिर पड़ा। इसके बाद आसपास के लोगों में हलचल मच गई। परिवार के लोग बाहर होने के कारण मलबे की चपेट में नहीं आए। हादसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। हालांकि, मकान का हिस्सा गिरने से परिवार के सामने रहने की समस्या खड़ी हो गई है।

घटना की जानकारी मिलने पर सामाजिक कार्यकर्ता मित्रसेन, रिंकू विश्वकर्मा और राम शकल मौके पर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने प्रशासन से परिवार को सहायता उपलब्ध कराने और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास दिलाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के मौसम में जर्जर कच्चे मकानों में रहने वाले परिवारों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

जहांगीरगंज में सदस्यों ने उठाई आवाज, 11 ऑडिट का पैसा लंबित होने का दावा

सोशल ऑडिट टीम का 10 माह से अटका मानदेय

तमसा संकेत, संवाददाता

सदस्यों ने बताया कि पिछले कार्यकाल में किए गए 11 ऑडिट का मानदेय अभी तक नहीं मिला है। इससे पहले भी भुगतान में कई महीने की देरी हुई थी। इस बार नियुक्ति नहीं पाने वाले सदस्य भी पुराने बकाये के लिए ब्लॉक कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं।

अंबेडकरनगर। गांवों में विकास कार्यों की निगरानी करने वाली सोशल ऑडिट टीम के सदस्यों का मानदेय 10 माह से लंबित होने का मामला सामने आया है। जहांगीरगंज विकासखंड के सदस्यों का कहना है कि काम पूरा करने के बाद भी उन्हें भुगतान का इंतजार करना पड़ रहा है।सोशल ऑडिट सदस्यों के अनुसार, उनका कार्य ग्राम पंचायतों में मनरेगा और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हुए कार्यों की जांच करना होता है। जिला विकास अधिकारी की ओर से नियुक्त टीम को दो वर्ष के कार्यकाल में कई ऑडिट पूरे करने होते हैं। सदस्यों का कहना है कि भुगतान की स्थिति जानने के लिए उन्हें बार-बार ब्लॉक कार्यालय जाना पड़ रहा है। उनका आरोप है कि मानदेय को लेकर स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पा रही है।

वहीं ब्लॉक कोऑर्डिनेटर राम जी मिश्रा ने बताया कि भुगतान से जुड़े सभी दस्तावेज जिला मुख्यालय पर जिला समन्वयक सुमन तिवारी को भेजे जा चुके हैं। उनकी ओर से प्रक्रिया पूरी कर दी गई है।

सोशल ऑडिट सदस्यों ने कहा कि यदि जल्द भुगतान नहीं किया गया तो वे अपनी समस्या को उच्च स्तर पर रखेंगे। उन्होंने एक सप्ताह के भीतर बकाया मानदेय जारी करने की मांग की है। मनरेगा और आवास योजनाओं की निगरानी में लगे इन सदस्यों का कहना है कि समय पर भुगतान मिलने से ही वे अपने दायित्वों को बेहतर तरीके से निभा सकेंगे।

महिला अधिकारों की जानकारी से सशक्त होंगी ग्रामीण महिलाएं

टीओटी कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा कानूनों और सरकारी योजनाओं की दी गई जानकारी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। ग्रामीण महिलाओं को कानूनी अधिकारों और सुरक्षा कानूनों की जानकारी देने के उद्देश्य से जलालपुर ब्लॉक में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनशिक्षण केंद्र की ओर से संचालित ग्रामीण महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत आयोजित टीओटी (ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स) में महिला अधिकारों और कानूनों की जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण का संचालन वरिष्ठ प्रशिक्षक राजदेव चतुर्वेदी ने किया। उन्होंने कानूनों की जरूरत, सामाजिक महत्व और नागरिकों की जिम्मेदारियों पर चर्चा की। प्रशिक्षण में महिलाओं से जुड़े संवैधानिक अधिकारों, लैंगिक समानता, भेदभाव, शोषण और महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े विषयों पर जानकारी दी गई। कार्यक्रम में दहेज प्रतिषेध अधिनियम, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न रोकथाम कानून, पीसीपीएनडीटी अधिनियम, एमटीपी अधिनियम सहित कई महत्वपूर्ण कानूनों के बारे में बताया गया। साथ ही सरकारी योजनाओं और उनके लाभ लेने की प्रक्रिया की जानकारी भी दी गई। प्रशिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए प्रस्तुतीकरण, समूह चर्चा और लघु फिल्मों का सहारा लिया गया। इससे प्रतिभागियों को कानूनों को समझने में आसानी हुई।

कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों ने कहा कि वे अपने क्षेत्रों में महिलाओं को उनके अधिकारों और योजनाओं के प्रति जागरूक करेंगे। प्रशिक्षण के माध्यम से उन्हें महिलाओं से जुड़े मामलों में कानूनी जानकारी और मार्गदर्शन देने की क्षमता विकसित करने में मदद मिली। कार्यक्रम को सफल बनाने में जनशिक्षण केंद्र की टीम के रामहित, पुनीता, चांदतारा, सरोज, उर्मिला, निशा, हेमलता, विद्या, हरिराम, बृजेश, रामसागर और सिद्धार्थ सिंह सहित अन्य सदस्यों का योगदान रहा।

दुग्धशाला विकास विभाग के 50 वर्ष पूरे

तमसा संकेत, संवाददाता

विकास भवन में आयोजित कार्यक्रम में पशुपालकों को योजनाओं और पशु स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर किया जागरूक

अंबेडकरनगर। उत्तर प्रदेश दुग्धशाला विकास विभाग के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर गुरुवार को विकास भवन सभागार में संयुक्त कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें किसानों, पशुपालकों और स्वयं सहायता समूहों को आधुनिक डेयरी प्रबंधन, पशु रोग नियंत्रण और विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी ने मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना के तहत चयनित लाभार्थियों को चयन पत्र और अनुमति पत्र वितरित किए। वित्तीय वर्ष 2026-27 की ई-लॉटरी के माध्यम से योजना के लिए लाभार्थियों का चयन किया गया है।

मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डॉ. अरविंद कुमार सिंह ने पशुओं के रखरखाव, चारा प्रबंधन, टीकाकरण और रोग नियंत्रण की जानकारी दी। उन्होंने पशुपालकों को वैज्ञानिक तरीके से डेयरी संचालन के बारे में बताया। कार्यक्रम को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए दुग्ध आयुक्त धन लक्ष्मी ने विभाग की 50 वर्षों की विकास यात्रा की जानकारी दी। इस दौरान पशु रोग नियंत्रण और टीकाकरण से संबंधित लघु फिल्मों का भी प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम : विशेषज्ञों ने बताए बचाव और उपचार के तरीके यूजीसी मेंटल हेल्थ कार्यक्रम में डिप्रेशन

मेडिकल कॉलेज में मानसिक स्वास्थ्य पर मंथन

एंजायटी समेत कई मानसिक रोगों के लक्षणों पर हुई चर्चा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज में गुरुवार को यूजीसी मेंटल हेल्थ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने मानसिक रोगों के शुरुआती संकेत, कारण और उपचार की जानकारी दी।

कार्यक्रम का संचालन मानसिक रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अमित कुमार गुप्ता ने किया। उन्होंने डिप्रेशन के लक्षणों पर चर्चा करते हुए बताया कि लंबे समय तक उदासी, पसंदीदा कार्यों में रुचि कम होना और लगातार थकान महसूस होना मानसिक परेशानी के संकेत हो सकते हैं।

उन्होंने कहा कि मानसिक समस्याओं को छिपाने या नजरअंदाज करने के बजाय समय पर विशेषज्ञ की सलाह लेना जरूरी है। काउंसलिंग और उचित उपचार से इन समस्याओं को नियंत्रित किया जा सकता है।

कार्यक्रम में नर्सिंग स्टाफ के साथ विशेष संवाद सत्र आयोजित किया गया। इसमें मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े सवालों पर विशेषज्ञों ने जानकारी दी। नर्सिंग स्टाफ ने भी अपनी जिज्ञासाएं रखीं और चर्चा में भाग लिया।

कई मानसिक रोगों के लक्षण और पहचान पर चर्चा

कार्यक्रम में डिसोसिएटिव डिसऑर्डर, शिजोफ्रेनिया, पर्सनैलिटी डिसऑर्डर, एडजस्टमेंट डिसऑर्डर, बर्नआउट सहित अन्य मानसिक समस्याओं के बारे में जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि शुरुआती लक्षणों की पहचान से उपचार आसान हो जाता है।

मानसिक रोग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुधांशु चंदेल ने एंजायटी, पैनिक डिसऑर्डर, सोशल फोबिया और अन्य मानसिक समस्याओं के लक्षणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने मानसिक रोग से जूझ रहे लोगों के प्रति संवेदनशील व्यवहार रखने और समय पर चिकित्सकीय सहायता लेने की जरूरत बताई।

कार्यक्रम में गायत्री कुशवाहा, रूपम रानी, मीना यादव, सलोनी चौधरी, तराना, संगीता राजपूत, प्रमिला यादव सहित नर्सिंग स्टाफ और एटीएफ टीम के सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ाना, समय रहते समस्याओं की पहचान करना और उपचार के प्रति लोगों को जागरूक करना रहा।

कर्बला बाजार में बारिश का कहर पेड़ गिरे तो ठप हो गई बिजली

नाला निर्माण के बाद कमजोर हुई जमीन बनी वजह

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। बारिश के बीच गुरुवार को कर्बला बाजार में अचानक संकट खड़ा हो गया। तेज बरसात के कारण महुआ और नीम के दो बड़े पेड़ बिजली की मुख्य लाइन पर गिर गए। तार टूटने से पूरा बाजार बिजली विहीन हो गया।

सुबह से बिजली नहीं आने के कारण दुकानदारों और स्थानीय लोगों को परेशानी उठानी पड़ी। व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित रहीं और घरों में भी लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों के अनुसार, बाजार में पीडब्ल्यूडी की ओर से नाला निर्माण कराया जा रहा है। इसके लिए हुई खुदाई के बाद पेड़ों के आसपास की मिट्टी कमजोर हो गई थी। लगातार बारिश के बीच कमजोर हुई जमीन पेड़ों का भार नहीं सह सकी और दोनों पेड़ बिजली लाइन पर जा गिरे। हादसे के बाद वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर पेड़ों को हटाने का काम शुरू किया। वहीं बिजली विभाग की टीम भी आपूर्ति बहाल करने की तैयारी में जुटी रही। बारिश के कारण राहत और मरम्मत कार्य की रफ्तार प्रभावित हुई। बाजार के व्यापारियों ने जल्द बिजली आपूर्ति शुरू कराने की मांग की। व्यापारियों का कहना है कि लंबे समय तक बिजली बंद रहने से कामकाज प्रभावित हो रहा है। बिजली विभाग के अधिकारी अरविंद सिंह ने बताया कि पेड़ों को हटाने के बाद क्षतिग्रस्त लाइन की मरम्मत कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि खराब मौसम के कारण काम में देरी हो रही है, लेकिन आपूर्ति जल्द सामान्य करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

सम्पादकीय

गतिरोध से त्रस्त संसद

संसद में जारी गतिरोध को तोड़ने और विदेशी चंदे एवं परिसीमन से जुड़े विधेयकों पर सहमति कायम करने के लिए संसदीय कार्यमंत्री किरेण रिजीजू और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बीच हुई बातचीत जिस तरह किसी ठोस नतीजे पर पहुंचती नहीं दिखी, उससे मानसून सत्र के हंगामे के बीच ही खत्म होने के आसार बढ़ गए हैं। राहुल गांधी की शर्त है कि जब तक काकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च में हिंसा पर गृह मंत्री अमित शाह बयान नहीं देते और राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले में सदन में चर्चा नहीं होती, तब तक संसद की कार्यवाही नहीं चल सकती।

पता नहीं इन दोनों विषयों पर ऐसा हो पाता है या नहीं, लेकिन हैरानी नहीं कि इसकी नौबत आने पर विपक्ष सरकार को कठघरे में खड़ा कर सदन से चलता बने और सरकार का पक्ष भी न सुने। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि पेपर लीक विरोधी कानून में संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान विपक्ष और विशेष रूप से राहुल गांधी ने बहुत कुछ कहा था, लेकिन इस बिल पर एक शब्द भी नहीं कहा था।

कुछ ऐसा ही रवैया अन्य विपक्षी नेताओं का रहा था। यह पहली बार नहीं, जब विपक्ष उन मुद्दों को तूल देने पर अड़ गया हो, जो संसद सत्र के पहले किसी न किसी कारण सतह पर आए। एक लंबे अर्से से यह देखने को मिल रहा है कि संसद सत्र शुरू होने के पहले कुछ ऐसे मुद्दे सामने आ जाते हैं या फिर सुनियोजित रूप से लाए जाते हैं कि विपक्ष को संसद में हंगामा करने का अवसर मिल सके। यह स्थिति यही बताती है कि विपक्ष अपनी ओर से न तो कोई तैयारी करता है और न ही उसके पास प्रस्तावित विधेयकों अथवा राष्ट्रीय महत्व के अन्य मुद्दों पर कोई ठोस सुझाव होते हैं। यह एक तथ्य है संसद के इस सत्र में पेपर लीक विरोधी कानून में संशोधन वाले विधेयक को छोड़कर किसी अन्य विधेयक पर कोई चर्चा नहीं हुई। कई विधेयक विपक्ष की नारेबाजी के बीच बिना किसी विचार-विमर्श के पारित हो गए। समस्या यह है कि जिन विधेयकों पर कभी कोई चर्चा होती भी है, तो वह अत्यंत सतही और निरर्थक होती है। यह किसी से छिपा नहीं कि विपक्ष की ओर से सरकार के हर विधेयक और हर फैसले का आंख मूदकर विरोध ही किया जाता है। वास्तव में अब विरोध और अंधविरोध का अंतर मिटता जा रहा है। विपक्ष की ओर से रचनात्मक अथवा सकारात्मक सहयोग अब बीते जमाने की बात बन गया है। इसकी जगह नकारात्मकता और विरोध के नाम पर विरोध की राजनीति ने ले लिया है। इससे संसद की महत्ता और गरिमा ही कम हो रही है। यदि संसदीय कामकाज की यही दशा रही तो वह दिन दूर नहीं, जब आम जनता में संसद के प्रति आस्था डिगती दिखे। अच्छा हो कि पक्ष और विपक्ष, दोनों यह देखें कि संसद की महत्ता फिर से कैसे स्थापित हो।

मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ग्रामीण गरीबों के लिए सम्मानजनक आवास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) उत्तर प्रदेश सरकार की एक महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजना है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले गरीब, आवासहीन एवं कच्चे मकानों में निवास कर रहे परिवारों को पक्का और सुरक्षित आवास उपलब्ध कराना है। आवास केवल रहने का साधन नहीं, बल्कि सम्मान, सुरक्षा और बेहतर जीवन का आधार भी होता है। समाज के कमजोर वर्गों के लिए अपना घर होना आत्मनिर्भरता और सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक माना जाता है। इसी सोच के साथ राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से उन पात्र परिवारों को आवास उपलब्ध कराने का प्रयास किया है, जो किसी कारणवश अन्य आवासीय योजनाओं का लाभ नहीं ले सके। ग्रामीण भारत में बड़ी संख्या में ऐसे परिवार रहे हैं, जो वर्षों से कच्चे मकानों, झोपड़ियों अथवा अस्थायी आश्रयों में जीवन यापन करते आए है। बरसात, गर्मी, सर्दी और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान इन परिवारों को अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कच्चे घरों की असुरक्षा के कारण महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों का जीवन विशेष रूप से प्रभावित होता है। ऐसे में मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) गरीबों के जीवन में सुरक्षा, स्थायित्व और सम्मान लाने की दिशा में एक प्रभावी पहल के रूप में सामने आई है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य उन ग्रामीण गरीब परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराना है, जो आवासहीन हैं या जर्जर एवं कच्चे मकानों में रह रहे हैं। साथ ही, ऐसे पात्र परिवार जिन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) या अन्य योजनाओं से लाभ नहीं मिल पाया, उन्हें इस योजना के माध्यम से सहायता प्रदान की जाती है। सरकार की मंशा है कि कोई भी गरीब परिवार बिना छत के न रहे और प्रत्येक जरूरतमंद को सम्मानजनक आवास मिल सके।

योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को पक्का मकान निर्माण के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। यह सहायता चरणबद्ध तरीके से किस्तों में दी जाती है, जिससे निर्माण कार्य सुचारु रूप से पूरा हो सके। आमतौर पर प्रथम किस्त निर्माण प्रारंभ करने हेतु, द्वितीय किस्त निर्माण की प्रगति के आधार पर तथा अंतिम किस्त निर्माण पूर्ण होने पर दी जाती है। इस प्रक्रिया से यह सुनिश्चित किया जाता है कि धनराशि का उपयोग वास्तव में आवास निर्माण में ही हो।

लाभार्थियों का चयन पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है। ग्राम पंचायत स्तर पर पात्र परिवारों की पहचान की जाती है और स्थानीय प्रशासन द्वारा सत्यापन के बाद लाभार्थियों को सूचीबद्ध किया जाता है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि योजना का लाभ वास्तव में जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे। पारदर्शिता और जवाबदेही इस योजना की प्रमुख विशेषताएं है। यह योजना केवल आवास उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण जीवन स्तर को बेहतर बनाने का माध्यम भी है। पक्का घर मिलने से गरीब परिवारों को सुरक्षित वातावरण मिलता है, जिससे उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक स्थिति पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। बच्चे बेहतर माहौल में पढ़ाई कर पाते है, महिलाएं सुरक्षित महसूस करती है और बुजुर्गों को भी आरामदायक जीवन मिलता है। पक्का आवास गरीब परिवारों के लिए सामाजिक सम्मान का भी आधार बनता है। पहले जो परिवार झोपड़ी या जर्जर कच्चे घरों में रहते थे, उन्हें समाज में अक्सर उपेक्षा का सामना करना पडता था। लेकिन अपना पक्का घर मिलने के बाद उनका आत्मविश्वास बढता है और सामाजिक प्रतिष्ठा भी मजबूत होती है। यह योजना गरीबों के जीवन में केवल भौतिक परिवर्तन नहीं लाती, बल्कि मनोवैज्ञानिक और सामाजिक स्तर पर भी सकारात्मक बदलाव लाती है। मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) महिलाओं के सशक्तिकरण में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कई मामलों में आवास महिला के नाम या पति-पत्नी के संयुक्त नाम पर स्वीकृत किए जाते हैं, जिससे महिलाओं को संपत्ति में अधिकार मिलता है। इससे महिलाओं की सामाजिक स्थिति मजबूत होती है और परिवार में उनकी निर्णय क्षमता भी बढ़ती है। यह पहल महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सराहनीय कदम है। स्वच्छता और स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह योजना अत्यंत महत्वपूर्ण है। पक्के घरों में स्वच्छ वातावरण, बेहतर वेंटिलेशन और सुरक्षित संरचना होने के कारण बीमारियों का खतरा कम होता है। साथ ही स्वच्छता से जुड़े अन्य प्रयासों को भी बढ़ावा मिलता है। इस प्रकार यह योजना अप्रत्यक्ष रूप से स्वास्थ्य सुधार में भी सहायक सिद्ध हो रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में आवास निर्माण से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होते है। निर्माण कार्य में मजदूरों, राजमिस्त्रियों, कारीगरों और निर्माण सामग्री की मांग बढ़ती है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिलती है। इस प्रकार यह योजना रोजगार सृजन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में भी योगदान देती है।

उत्तर प्रदेश सरकार गरीबों को आवास उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध रही है। मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) इसी प्रतिबद्धता का परिणाम है। सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक पात्र गरीब परिवार को आवास सुविधा उपलब्ध हो और ग्रामीण क्षेत्रों में आवासहीनता समाप्त हो। इस दिशा में निरंतर कार्य करते हुए बड़ी संख्या में लाभार्थियों को इस योजना का लाभ दिया गया है।

योजना के माध्यम से हजारों गरीब परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराकर उनके जीवन में बदलाव लाया गया है। इससे न केवल उनकी रहने की स्थिति सुधरी है, बल्कि सामाजिक सुरक्षा और जीवन स्तर में भी वृद्धि हुई है। यह योजना ग्रामीण विकास और समावेशी प्रगति की की दिशा में एक मजबूत कदम सिद्ध हुई है।

हालांकि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में कुछ चुनौतियां भी सामने आती है, जैसे पात्र लाभार्थियों की सही पहचान, निर्माण कार्य की समय-बद्धता, दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंच और जागरूकता का अभाव। लेकिन सरकार इन चुनौतियों से निपटने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। तकनीकी साधनों, निगरानी तंत्र और प्रशासनिक सक्रियता के माध्यम से योजना को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) वास्तव में गरीबों के लिए सम्मानजनक जीवन की नींव रखने वाली योजना है।

-आदर अदीब पावेल बन्धु

> **66**
> **मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) विशेष रूप से गरीब, असहाय, वंचित, निराश्रित, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांगजन, महिला मुखिया परिवारों तथा अन्य जरूरतमंद वर्गों को प्राथमिकता देती है। योजना में सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की भावना निहित है, जिससे समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचे।**

दुर्भाग्य से आधुनिक ...

जगराम गुर्जर

सावन के मेले: आस्था के साथ आजीविका का भी आधार

सावन का महीना आते ही देश का वातावरण बदलने लगता है। मंदिरों में घंटियां गूंजती हैं, कांवड़ यात्राएं निकलती हैं, लोक गीतों की स्वर लहरियां हवा में घुल जाती हैं और गांवों से लेकर बड़े शहरों तक मेलों की रौनक छा जाती है। उत्तरी भारत के राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, उत्तरप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तखरांड समेत देश के अनेक राज्यों में सावन के अवसर पर लगने वाले मेले केवल धार्मिक या सांस्कृतिक आयोजन नहीं होते बल्कि वे भारत की लोक संस्कृति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के जीवंत केंद्र भी हैं।

जब हम किसी मेले में जाते हैं तो हमारी नजर सबसे पहले झूलों, दुकानों, रंग-बिरंगी रोशनी और भीड़ पर पड़ती है लेकिन इन सबके पीछे हजारों-लाखों परिवारों का श्रम, उम्मीद और आजीविका छिपी होती है। मेला समाप्त होने के बाद भी इन्हीं कमाई के सहारे अनेक परिवार कई महीनों तक अपना जीवन चलाते हैं। कोई भी एक मेला अपने भीतर रोजगार की पूरी श्रृंखला समेटे रहता है। विशाल झूले लगाने वाले परिवार, बच्चों के मनोरंजन के साधन संचालित करने वाले लोग, खिलौने बेचने वाले छोटे व्यापारी, मिट्टी के बर्तन बनाने वाले कुम्हार, लकड़ी और बांस के कारीगर, चूड़ियां, बिंदी, कपड़े, पूजा सामग्री और घरेलू उपयोग की वस्तुएं बेचने वाले दुकानदार, ग्रामीण महिलाओं के स्वयं सहायता समूह, खाने-पीने की चीजें बेचने वाले परिवार, लोक कलाकार, कठपुतली नचाने वाले, जादूगर, नट, बहरूपिए और हस्तशिल्पी आदि सभी के लिए मेला कमाई का एक महत्वपूर्ण अवसर होता है। विशेष रूप से ग्रामीण और कुटीर उद्योगों के लिए मेले किसी बड़े बाजार से कम नहीं हैं। गांवों में तैयार होने वाले हस्तनिर्मित उत्पादों की पहुंच अक्सर बड़े शहरों तक नहीं बन पाती, पर वे मेलों के माध्यम से सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचते हैं। इससे न केवल उत्पादों की बिक्री होती है बल्कि कारीगरों को अपनी कला दिखाने और नए ग्राहक बनाने का अवसर भी मिलता है। इसी कारण अनेक परिवार पूरे वर्ष सावन, नवरात्र, दशहरा, दीपावली आदि पर्वों पर लगने वाले मेलों की तैयारी करते रहते हैं। आज जब 'वोकल फॉर लोकल', 'आत्मनिर्भर भारत' और 'स्वदेशी उत्पादों' को बढ़ावा देने की बात हो रही है, तब मेलों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। यहां खरीदा गया एक हस्तनिर्मित खिलौना, मिट्टी का दीपक, बांस की टोकरी, हाथ से बनी चूड़ियां या गांव की महिलाओं द्वारा तैयार कोई घरेलू उत्पाद केवल एक वस्तु नहीं होता बल्कि वह किसी परिवार की मेहनत, हुनर और सम्मान का प्रतीक होता है। हमारी छोटी-सी खरीद भी किसी कारीगर के घर में खुशियां ला सकती है। इन मेलों से होने वाला आर्थिक लाभ केवल दुकानदारों तक सीमित नहीं रहता। ट्रांसपोर्ट, टेंट, बिजली, सजावट, ध्वनि व्यवस्था, सफाई, स्थानीय मजदूर, होटल, ढाबे, चाय की दुकानें, ऑटो रिक्शा और अन्य अनेक छोटे व्यवसाय भी इससे जुड़े होते हैं। एक बड़ा मेला अपने आसपास के पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को गति देता है।

दुर्भाग्य से आधुनिक मॉल संस्कृति और ऑनलाइन खरीदारी के बढ़ते प्रभाव के बीच पारंपरिक मेलों से जुड़े अनेक परिवार चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। बढ़ती लागत, सीमित सुविधाएं, मौसम की अनिश्चितता और बदलती उपभोक्ता आदतों ने उनकी मुश्किलें बढ़ाई हैं। ऐसे समय में यदि हम लोग इन मेलों को केवल मनोरंजन का माध्यम न मानकर स्थानीय अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक विरासत के रूप में देखे तो यह लाखों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकता है। यहां कहने का अभिप्राय यह नहीं कि लोग केवल सहानुभूति के कारण खरीदारी करें बल्कि आवश्यकता इस बात की है कि हम यह समझें कि स्थानीय उत्पाद खरीदना, हस्तशिल्प को प्रोत्साहित करना और मेले से जुड़े छोटे कारोबारियों का सम्मान करना हमारी सांस्कृतिक और आर्थिक जिम्मेदारी भी है। इससे गांवों में रोजगार मजबूत होगा, पारंपरिक कौशल सुरक्षित रहेंगे और नई पीढ़ी भी अपने पुश्तैनी हुनर से जुड़ी रहेगी। यह हमारी धरोहर है और इसे कायम रखना हम सबका दायित्व है। सावन के मेले हमें केवल आस्था, उल्लास और लोक संस्कृति का अनुभव ही नहीं कराते बल्कि यह भी याद दिलाते हैं कि भारत की असली ताकत उसके गांवों, कारीगरों और मेहनतकश लोगों में बसती है। इस सावन जब भी किसी मेले में जाएं, वहां की रौनक का आनंद लें, लोक कलाकारों का उत्साह बढ़ाएं और यदि संभव हो तो स्थानीय कारीगरों व छोटे व्यापारियों से कुछ खरीदकर लौटें।

इसी कड़ी में ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

जनपद गाजियाबाद में अंत्योदय और समावेशी विकास से साकार होता दिव्यांगजन सशक्तिकरण

प्रदेश सरकार के सर्वांगीण और समावेशी विकास के संकल्प को धरातल पर उतारते हुए समाज के अंतिम पायदान पर खड़े विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों के सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल की गई है। 'सहानुभूति नहीं, अधिकार एवं अवसर' के प्रगतिशील विचार को अपनाते हुए प्रदेश सरकार द्वारा एक ऐसे बाधा-मुक्त और सुगम वातावरण का निर्माण किया जा रहा है, जहां प्रत्येक दिव्यांग नागरिक गरिमा, स्वाभिमान और पूर्ण आत्मनिर्भरता के साथ समाज की मुख्यधारा में अपना योगदान दे सके। इस दिशा में प्रदेश सरकार की लोक कल्याणकारी प्राथमिकताओं और पारदर्शी प्रशासनिक तंत्र के मार्गदर्शन में निरंतर कार्य किया जा रहा है। इसी संकल्पना को साकार करते हुए जनपद गाजियाबाद ने 'सबका साथ, सबका विकास और अंत्योदय' के मूलभूत मंत्र को अपनाते हुए दिव्यांग कल्याण के क्षेत्र में एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। जिला प्रशासन के निरंतर प्रयासों से परंपरागत दयाभाव की अवधारणा को पीछे छोड़ते हुए दिव्यांगजनों को पूर्ण आत्मसम्मान और स्वावलंबन युक्त जीवन प्रदान करने का एक सुदृढ़ मॉडल आकार ले चुका है। जिला प्रशासन द्वारा विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों को शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का व्यापक अभियान संचालित किया जा रहा है।

जनपद गाजियाबाद में लागू की गई इस रणनीतिक कार्ययोजना के अंतर्गत प्राथमिकता के आधार पर शत-प्रतिशत पात्र लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित किया जा रहा है। जिला प्रशासन और सहयोगी संस्थाओं के परस्पर समन्वय से अब तक जनपद में दस हजार से अधिक दिव्यांगजनों को विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र, स्वास्थ्य कार्ड, राशन कार्ड और प्रामाणिक दिव्यांगता प्रमाण-पत्र निर्गत किए जा चुके हैं। पारदर्शी व्यवस्था और त्वरित क्रियान्वयन के चलते जिले के दूरस्थ क्षेत्रों तक सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की पहुंच अत्यंत सुगम बन गई है।

प्रदेश सरकार की सबसे व्यापक सामाजिक सुरक्षा पहल के अंतर्गत दिव्यांग भरण-पोषण अनुदान योजना के माध्यम से पात्र नागरिकों को प्रतिमाह वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। पारदर्शिता सुनिश्चित करने और बिचौलियों की भूमिका को पूरी तरह समाप्त करने के लिए यह धनराशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में स्थानांतरित की जा रही है। इस आर्थिक संबल से जनपद के हजारों लाभार्थी अपने दैनिक जीवन-यापन को सुगमता से संचालित कर रहे हैं।

इसी कड़ी में कुष्ठ रोग से मुक्त हुए किन्तु दिव्यांगता से प्रभावित व्यक्तियों के प्रति विशेष मानवीय संवेदनशीलता व्यक्त करते हुए प्रदेश सरकार द्वारा उन्हें भी एक सम्मानजनक उच्चीकृत पेंशन राशि प्रदान की जा रही है। इस विशेष आर्थिक सहायता का मुख्य उद्देश्य ऐसे व्यक्तियों का समाज में उचित पुनर्वास सुनिश्चित करना और उन्हें एक गरिमामय जीवन-यापन का अधिकार प्रदान करना है। आर्थिक सहायता के अतिरिक्त दिव्यांगजनों की भौतिक सुगमता और गतिशीलता बढ़ाने के लिए सहायक उपकरण योजना अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रही है।

जब राह धुंधली हो

भौतिक पदार्थों की चकाचौंध में फंसकर आदमी महत्वाकांक्षी होकर आपाधापी के भंवरजाल में भटकता रहता है और दुःखों को प्राप्त करता हैं । वह भावनाओं में सन्तुष्टि नही होती , और और कि आपाधापी सुख और शान्ति को लील जाती हैं । जीवन गतिशील हैं और उसमें परिवर्तन होता हैं । आज के इस आपाधापी के जीवन में कभी-कभी जब मन उचटा-उचटा सा लगने लगता है, ऐसा महसूस होने लगता है मानो सब तरफ प्रश्न ही प्रश्न बिखरे पड़े हैं। यहां तक कि जीवन भी एक प्रश्न हो गया है तो जवाब लेने के लिए मैंने स्वयं के अंदर झांका । तो वहां यह महसूस हुआ जो सब प्रश्नों का जवाब जानने के लिए जरूरी है , हम शुद्ध भावों से, पूरी लगन से, निष्ठापूर्वक, अनवरत, अग्रसर होवें । हम इस पंचम गुणस्थान से आगे के गुणस्थानों की यात्रा में चलें तो हमको सभी प्रश्नों का जवाब स्वतः मिलता जाएगा। वह अंत में गंतव्य पर आखिरी प्रश्न भी हल हो जाएगा। वह बेला भी आएगी ही आएगी जब हमारी आत्मा जीवन-मरण की प्रक्रिया से मुक्त हो जाएगी। हमको यह ध्यान रहे कि हमारी यह यात्रा न जाने कितने-कितने जन्मों की है। अतः हमको जरूरत हैं जीवन में असीम धैर्य और गहन आस्था रखने की हैं । जीवन की आपाधापी में एक बुजुर्ग जान ही नहीं पाया आज तक कि चुपके से कब उम्र उसकी बढ़ने को दस्तक दे दी । वह जब उम्र आ जाती है तो कुछ घटनाएं स्वतः ही घटित हो जाती हैं। एक दिन अकस्मात आईना उसने जब देखा तो चेहरे पर झुर्रियों की रेखा नज़र आई। हमने बहुत सोचा कि अचानक कहां से इनका आना हो गया है । किसी दूसरे बुजुर्ग ने उसको बताया कि ये तो तुम्हारी सारी जिन्दगी की भागदौड़ का मेहनताना हैं । अब समझ गया वह कि आखिरी मंजिल पाना अधिक दूर नहीं हैं । इसमें निराश होने की क्या बात है, यह तो एक न एक दिन हर एक के साथ निश्चित होना हैं ।

› प्रदीप छाजेड़

जरा हटके

स्थानीय जनता की...

अभिषेक सिंह, उपसंपादक

वरुणा नदी पर आधुनिक सेतु बना वाराणसी के विकास का नया प्रवेश द्वार'

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश में विश्वस्तरीय आधारभूत संरचना के विकास के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद वाराणसी के लहरतारा-फुलवरिया-शिवपुर मार्ग पर वरुणा नदी पर सेतु एवं पहुँच मार्ग का निर्माण एक ऐसी महत्वपूर्ण परियोजना है, जिसने न केवल शहर की यातायात व्यवस्था को नई दिशा मिली है, बल्कि लाखों लोगों के दैनिक जीवन को भी आसान बना दिया है। लगभग 34.65 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह चार लेन का आधुनिक सेतु आज वाराणसी के समग्र विकास का एक सशक्त प्रतीक बन चुका है। वाराणसी देश का धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण नगर है। प्रतिदिन देश विदेश और प्रदेश के लाखों श्रद्धालु, पर्यटक, छात्र, कर्मचारी एवं व्यापारी किसान शहर के विभिन्न क्षेत्रों में आवागमन करते हैं। शहर के लंका, बीएचयू, रविन्द्रपुरी, भेलूपुर, सुंदरपुर, डीजल लोकोमोटिव वर्कस (डी0एल0डब्ल्यू) तथा नरिया जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों से बाबतपुर एयरपोर्ट और जौनपुर की ओर जाने के लिए लोगों को नदेसर-कचहरी मार्ग से होकर गुजरना पड़ता था। इस मार्ग पर अत्यधिक यातायात के कारण घंटों जाम लगा रहता था, जिससे लोगों का समय, ईंधन और श्रम तीनों व्यर्थ होते थे। बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया था।

स्थानीय जनता की वर्षों पुरानी आवश्यकता और भविष्य की यातायात जरूरतों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के निर्देश पर लोक निर्माण विभाग ने लहरतारा-फुलवरिया-शिवपुर मार्ग पर वरुणा नदी के ऊपर आधुनिक सेतु के निर्माण की योजना बनाई गई। यह सेतु आधुनिक इंजीनियरिंग मानकों के अनुरूप निर्मित किया गया है। मुख्य पुल की लंबाई 107.38 मीटर है तथा इसका स्पैन विन्यास 4×25 मीटर रखा गया है। दोनों ओर लगभग 200-200 मीटर लंबे पहुँच मार्ग विकसित किए गए हैं, जिससे यातायात का प्रवाह निर्बाध बना रहे। पुल को चार लेन (7.50×2 मीटर) चौड़ाई के साथ विकसित किया गया है, जिससे वर्तमान ही नहीं बल्कि भविष्य की यातायात आवश्यकताओं को भी सहजता से पूरा किया जा सके। इस परियोजना का सबसे बड़ा लाभ वाराणसी शहर और आसपास के क्षेत्रों की जनता को मिला है। पाँच लाख से अधिक आबादी प्रत्यक्ष रूप से इस सेतु का लाभ उठा रही है। लंका, बीएचयू, रविन्द्रपुरी, भेलूपुर, सुंदरपुर, डीएलडब्ल्यू, नरिया सहित अनेक क्षेत्रों के नागरिकों के लिए यह पुल दैनिक आवागमन का सबसे सुविधाजनक मार्ग बन गया है। अब लोगों को बाबतपुर एयरपोर्ट अथवा जौनपुर जाने के लिए भीड़भाड़ वाले पुराने मार्गों पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। सेतु के निर्माण के बाद शहर के यातायात का दबाव विभिन्न मार्गों पर संतुलित हुआ है। पहले जहाँ लोगों को कई किलोमीटर लंबे जाम का सामना करना पड़ता था, वहीं अब यात्रा पहले की तुलना में कहीं अधिक तेज और सुगम हो गई है। कार्यालय जाने वाले कर्मचारी, स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी, व्यापारी, मरीज और आपातकालीन सेवाओं से जुड़े वाहन सभी इस पुल का लाभ उठा रहे हैं। इससे यात्रा का समय कम हुआ है, ईंधन की बचत हुई है तथा प्रदूषण में भी कमी आई है।

बेहतर सड़क संपर्क किसी भी क्षेत्र के आर्थिक विकास की आधारशिला होता है। इस सेतु के निर्माण के बाद आसपास के क्षेत्रों में व्यापार और व्यवसाय को नई गति मिली है। मालवाहक वाहनों की आवाजाही सरल हुई है, जिससे परिवहन लागत और समय दोनों में कमी आई है। स्थानीय व्यापारियों, छोटे उद्यमियों और सेवा क्षेत्र से जुड़े लोगों को बेहतर संपर्क सुविधा मिलने से आर्थिक गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके साथ ही आसपास के क्षेत्रों में निवेश और विकास की नई संभावनाएँ भी विकसित हुई हैं।

वाराणसी विश्वभर में अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान के लिए प्रसिद्ध है। प्रतिवर्ष लाखों देशी-विदेशी पर्यटक और श्रद्धालु यहाँ आते हैं। बाबतपुर एयरपोर्ट से शहर के विभिन्न हिस्सों तक पहुँचने के लिए यह नया मार्ग अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ है। अब पर्यटकों को कम समय में अपने गंतव्य तक पहुँचने की सुविधा मिल रही है, जिससे उनकी यात्रा अधिक आरामदायक और सुगम बनी है। इससे शहर की पर्यटन व्यवस्था को भी मजबूती मिली है। इस परियोजना ने केवल एक पुल का निर्माण नहीं किया, बल्कि वाराणसी के शहरी विस्तार को भी नई दिशा प्रदान की है। बेहतर कनेक्टिविटी के कारण आसपास के क्षेत्रों में आवासीय, व्यावसायिक तथा संस्थागत विकास की संभावनाएँ बढ़ी हैं। आधुनिक आधारभूत संरचना ने भविष्य के नियोजित विकास के लिए मजबूत आधार तैयार किया है।

उत्तर प्रदेश सरकार की विकासोन्मुखी सोच और जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का यह सेतु एक उत्कृष्ट उदाहरण है। गुणवत्तापूर्ण निर्माण, समयबद्ध कार्यान्वयन और जनसुविधा को केंद्र में रखकर तैयार की गई यह परियोजना बेहतर आधारभूत संरचना से आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही है। यह केवल नदी के दो किनारों को जोड़ने वाला पुल नहीं, बल्कि विकास, सुगम यातायात, आर्थिक प्रगति और जनसुविधा का मजबूत सेतु है। जाम से राहत, कम यात्रा समय, बेहतर संपर्क, आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि और आधुनिक शहरी विकास जैसे अनेक सकारात्मक परिणाम इस परियोजना की सफलता को प्रमाणित करते हैं।

50 वर्ष पुराने विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को मिलेगा अवसर, 5,000 से अधिक छात्र संख्या वाले संस्थान होंगे पात्र

उच्च शिक्षा संस्थानों में स्थापित होंगी 'भारतीय ज्ञान परंपरा संवर्धन शोधपीठ'

- प्रत्येक शोधपीठ को 5 वर्षों के लिए 2 करोड़ रुपए का एकमुश्त अनुदान, एफडी के ब्याज से होगा शोधपीठों का नियमित संचालन
- वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत सहित भारतीय ज्ञान-विज्ञान पर होगा शोध, पीएचडी, पोस्ट-डॉक्टरेट एवं शोधार्थियों को मिलेगा प्रोत्साहन
- दुर्लभ पांडुलिपियों एवं ग्रंथों का होगा डिजिटलीकरण, ओपन-एक्सेस लाइब्रेरी और एमओओसीज से वैश्विक स्तर पर होगी पहुंच

पहल

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश के अंदर भारतीय ज्ञान परंपरा को उच्च शिक्षा के मुख्य प्रवाह में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (एनईपी-2020) के अनुरूप राज्य सरकार ने विश्वविद्यालयों तथा राजकीय एवं अशासकीय सहायता प्राप्त महावि-द्यालयों में ₹भारतीय ज्ञान परंपरा संवर्धन शोधपीठ₹ की स्थापना के लिए विस्तृत नीति और दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। इस योजना का उद्देश्य भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा, दर्शन, विज्ञान, संस्कृति और बौद्धिक विरासत को आधुनिक शिक्षा प्रणाली से जोड़ना है। सरकार चाहती है कि नई पीढ़ी केवल आधुनिक शिक्षा तक सीमित न रहे, बल्कि भारतीय ज्ञान-विज्ञान, दर्शन और सांस्कृतिक मूल्यों को भी समझे तथा उन पर शोध कर विश्व स्तर पर नई पहचान स्थापित करे। शोधपीठों के माध्यम से भारत के महान ऋषियों, मनीषियों, वैज्ञानिकों, दार्शनिकों एवं समाज सुधारकों के विचारों का अध्ययन, अनुसंधान और व्यापक प्रसार किया जाएगा। इससे उत्तर प्रदेश भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण, संवर्धन और वैश्विक प्रचार-प्रसार का अग्रणी केंद्र बन सकेगा।

50 वर्ष पूर्ण कर चुके विश्वविद्यालय और महाविद्यालय कर सकेंगे आवेदन

प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि शोधपीठों की स्थापना के लिए स्पष्ट पात्रता मानक निर्धारित किए गए हैं। केवल वे विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय आवेदन कर सकेंगे, जिनकी स्थापना को कम से कम 50 वर्ष पूरे हो चुके हों। इसके साथ ही संस्थान में वर्तमान छात्र संख्या 5,000 से अधिक होना आवश्यक होगा तथा यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 2(f) एवं 12(B) के अंतर्गत मान्यता प्राप्त होना अनिवार्य होगा। योगी सरकार प्रत्येक चयनित शोधपीठ को पांच वर्षों के लिए 2 करोड़ रुपए का एकमुश्त अनुदान उपलब्ध कराएगी। यह धनराशि सावधि जमा (एफडी) के रूप में सुरक्षित रखी जाएगी तथा उससे प्राप्त ब्याज का उपयोग शोधपीठ के नियमित संचालन, शोध गतिविधियों और अन्य शैक्षणिक कार्यक्रमों में किया जाएगा। शोधपीठों को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर), दान एवं अन्य वैधानिक स्रोतों से भी संसाधन जुटाए जा सकेंगे। पांच वर्ष की अवधि पूर्ण होने पर शोधपीठों के कार्यों की समीक्षा कर आगे विस्तार का निर्णय लिया जाएगा।

शोधार्थियों को शोध अनुदान के रूप में मिलेगा लाभ

मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि शोधपीठों में वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत, जैन एवं बौद्ध दर्शन, आयुर्वेद, योग, भारतीय गणित, खगोल विज्ञान, स्थापत्य कला, कृषि विज्ञान, पर्यावरण संरक्षण तथा अन्य भारतीय ज्ञान परंपराओं पर गंभीर एवं गुणवत्तापूर्ण शोध को प्रोत्साहित किया जाएगा। इन शोधपीठों के माध्यम से पीएचडी, पोस्ट-डॉक्टरेट तथा स्नातक एवं परास्नातक स्तर के शोधार्थियों को शोध अनुदान एवं शैक्षणिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। योजना के अंतर्गत शोध पुस्तकों, अनुवादों और समीक्षात्मक संस्करणों का प्रकाशन अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप आईएसबीएन एवं डीओआई के साथ कराया जाएगा।

अलीगंज अग्निकांड पर एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार को फटकार

सुप्रीम कोर्ट ने भेजा अवमानना नोटिस

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के अलीगंज अग्निकांड में 15 मौतों के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA) के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार को अवमानना नोटिस जारी करते हुए अगली सुनवाई पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने को कहा है।

LDA उपाध्यक्ष से कहा है कि अगली सुनवाई (डेट अभी तय नहीं) में सीलबंद लिफाफे में SIT की रिपोर्ट लेकर पहुंचिए। पूछा है कि न्यायालय के आदेशों का पालन न करने पर उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों न की जाए? न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ मामले की सुनवाई कर रही थी।

अलीगंज की इसी 4 मंजिला इमारत में आग लगने से 15 लोगों की जान चली गई थी। इमारत पर 25 जुलाई को बुलडोजर चलाया गया। सुनवाई के दौरान न्यायालय के एमिकस क्यूरी वरिष्ठ अधिवक्ता अजीत कुमार सिन्हा ने कोर्ट को बताया कि जिस इमारत में आग लगी थी, उसे गिराने का आदेश 10 मई 2016 को पारित किया गया था। लेकिन 5 जुलाई 2016 को उसी प्राधिकरण ने तकनीकी आधार पर अपना आदेश वापस ले लिया। इसके बाद वर्षों तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई और आखिरकार जून 2026 में हुए अग्निकांड में 15 छात्रों की जान चली गई।

फास्ट न्यूज

डिलीवरी के साथ महिला का ओपन हार्ट सर्जरी

लखनऊ । 26 साल की महिला पहली बार मां बनने वाली थी। गर्भावस्था के 32वें सप्ताह में अचानक उसकी सांस फूलने लगी और दिल की धड़कन तेज हो गई। जांच हुई तो पता चला कि दिल के दो वाल्व खराब हैं। एक तरफ मां की जान पर खतरा तो दूसरी तरफ गर्भ में पल रही बच्ची की जिंदगी दांव पर लगी थी। ऐसे में SGPGI के डॉक्टरों ने एक साथ सिजेरियन और ओपन हार्ट सर्जरी करने का फैसला लिया।

लखनऊ में पिकप भवन पर विरोध प्रदर्शन

लखनऊ । लखनऊ में गुरुवार को गोमती नगर स्थित पिकअप भवन पर विरोध प्रदर्शन हुआ। सहायक लेखाकार अभ्यर्थियों ने पिकप भवन का घेराव करके नारेबाजी। प्रदर्शन-कारियों ने 1828 पदों पर अंतिम परिणाम जारी करने की मांग की। परीक्षा और सभी प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद चयन आयोग अंतिम परिणाम जारी करने में देरी कर रहा है। प्रदर्शनकारियों ने शासन और आयोग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जल्द से जल्द रिजल्ट घोषित करने की मांग की। अभ्यर्थियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होती और परिणाम जारी करने की स्पष्ट तारीख नहीं बताई जाती, तब तक विरोध जारी रहेगा।

आवारा कुत्तों ने 2 लोगों को काटा

लखनऊ। गोमतीनगर इलाके में दो लोगों को आवारा कुत्तों ने दौड़ाकर काट लिया। कुत्ते के हमले में विभवखंड-3 में व्यापारी अनिल उपाध्याय और सरिता नाम की महिला घायल हो गई। महिला के पैर में कुत्ते के दांत धंसने से उसके खून बहने लगा। शिकायत के बाद गुरुवार को नगर निगम की टीम आक्रामक कुत्तों को पकड़ने के लिए पहुंची तो कुछ स्थानीय लोगों ने इसका विरोध कर दिया।

'कोरोनाकाल में हीरो कहा, अब हम जीरो हो गए'

लखनऊ में एंबुलेंस ड्राइवरों का प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में भाजपा दफ्तर के बाहर डायल-108 और डायल-102 के एंबुलेंस ड्राइवरों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान कुछ ड्राइवर रोने भी लगे। गुरुवार दोपहर 1 बजे वे नारे लिखी तख्तियां लेकर पहुंच गए। यहां नारा लगाया- 'कोरोनाकाल में हमें हीरो कहा, अब हम जीरो हो गए'।

उनका कहना था कि GVKEMRI कंपनी ने हमें कोरोनाकाल के तुरंत बाद बाद 2021 में नौकरी से निकाल दिया। तब से हम बेरोजगार हैं। प्रदर्शन की सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे एंबुलेंस ड्राइवरों को हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया।

एंबुलेंस ड्राइवरों ने बताया कि कोरोना महामारी के दौरान दिन-रात सेवाएं दीं। कई कर्मचारियों ने अपनी जान भी गंवाई, लेकिन काम लेने के बाद उन्हें नौकरी से निकालकर बेरोजगार कर दिया गया। 5 साल से रोजगार के लिए भटक रहे हैं। प्रदर्श-नकारियों ने निजी कंपनी पर नौकरी से निकालने, शारीरिक, मानसिक शोषण करने सहित कई गंभीर आरोप लगाए। विरोध प्रदर्शन करने वाले एंबुलेंस चालकों ने बताया कि प्रदेश में करीब 20 हजार एंबुलेंस कर्मचारी GVKEMRI कंपनी के तहत काम करते हैं। कंपनी, कर्मचारियों का शारीरिक और मानसिक शोषण कर रही है।

स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब, डिजिटल बोर्ड और ई-कंटेंट के प्रभावी उपयोग का मिलेगा व्यावहारिक प्रशिक्षण

स्मार्ट क्लास और आईसीटी लैब से बदलेगी पढ़ाई की तस्वीर

- 30 अगस्त तक प्रदेशभर में चरणबद्ध ढंग से पूरा होगा शिक्षक प्रशिक्षण अभियान
- ऑनलाइन मॉनिटरिंग, प्री-टेस्ट, पोस्ट-टेस्ट और एस्केलेशन मैट्रिक्स से सुनिश्चित होगी गुणवत्ता
- योगी सरकार ने जारी किए विस्तृत दिशा-निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

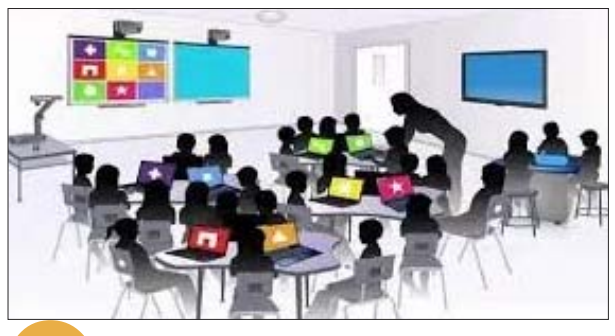

लखनऊ। योगी सरकार परिषदीय विद्यालयों में स्थापित स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब और डिजिटल शिक्षण संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा अभियान शुरू करने जा रही है। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत अब प्रदेश के प्रत्येक विकासखंड में मास्टर ट्रेनर तैयार किए जाएंगे, जो शिक्षकों को तकनीक आधारित शिक्षण का व्यावहारिक प्रशिक्षण देंगे। इसका उद्देश्य विद्यालयों में उपलब्ध डिजिटल संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित कर कक्षा शिक्षण को अधिक रोचक, सहभागितापूर्ण और गुणवत्तापूर्ण बनाना है। इस संबंध में महानिदेशक स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक मोनिका रानी ने सभी जिलों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

योगी सरकार का लक्ष्य केवल विद्यालयों में स्मार्ट क्लास स्थापित करना ही नहीं, बल्कि प्रत्येक शिक्षक को डिजिटल शिक्षण में दक्ष बनाना है। प्रत्येक शिक्षक को डिजिटल शिक्षण में दक्ष बनाते हुए कक्षा शिक्षण में डिजिटल संसाधनों का अधिकतम प्रयोग कराया जाना है। जब शिक्षक तकनीक का प्रभावी उपयोग करेंगे, तभी विद्यार्थियों तक गुणवत्तापूर्ण, रोचक और सहभागितापूर्ण शिक्षा पहुंचेगी। यह प्रशिक्षण अभियान राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप डिजिटल शिक्षा को विद्यालयों की नियमित शिक्षण प्रक्रिया का मजबूत आधार बनाएगा।

- संदीप सिंह, बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

डिजिटल शिक्षा को मिलेगी नई मजबूती

योगी सरकार का उद्देश्य विद्यालयों में स्थापित डिजिटल संसाधनों को केवल उपकरण तक सीमित न रखकर उन्हें दैनिक शिक्षण प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा बनाना है। प्रशिक्षित शिक्षक स्मार्ट क्लास और आईसीटी लैब का अधिक प्रभावी उपयोग कर विद्यार्थियों के लिए विषयों को अधिक सरल, दृश्यात्मक और सहभागितापूर्ण बना सकेंगे। इससे बच्चों की समझ, सीखने की गति और कक्षा में उनकी सक्रिय भागीदारी को भी नई मजबूती मिलेगी। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप डिजिटल एवं अनुभवात्मक अधिगम को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

तकनीकी समस्याओं के समाधान के लिए सुदृढ़ व्यवस्था

महानिदेशक स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक मोनिका रानी ने निर्देश दिए हैं कि स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब और अन्य डिजिटल शिक्षण संसाधनों के संचालन में किसी प्रकार की तकनीकी बाधा न आने पाए। इसके लिए विभिन्न सेवा प्रदाताओं के जिला, राज्य एवं उच्च स्तर के अधिकारियों के संपर्क विवरण उपलब्ध कराए गए हैं। किसी भी तकनीकी समस्या का समाधान निर्धारित एस्केलेशन मैट्रिक्स के अनुरूप समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही सभी जनपदों को 30 अगस्त 2026 तक ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा कराने के निर्देश दिए गए हैं।

दुष्कर्म के बाद बीसीए छात्रा की हत्या शक में आरोपी ने मारा चाकू

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा । लखनऊ के पारा में 17 वर्षीय बीसीए छात्रा की हत्या के मामले में गुरुवार को पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। जांच के दौरान गिरफ्तार देवांश पाठक ने पूछताछ में बताया कि उसे शक था कि छात्रा किसी दूसरे युवक से बात कर रही है। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। वहीं, छात्रा के परिजनों ने हत्या से पहले दुष्कर्म का आरोप लगाया है।

पुलिस ने परिजनों के बयान और अन्य सबूतों के आधार पर मुकदमे में दुष्कर्म की धाराएं बढ़ाकर आरोपी को जेल भेज दिया।

पुलिस जांच में सामने आया है कि तालकटोरा के बदशाहखेड़ा निवासी देवांश पाठक और पारा क्षेत्र की रहने वाली छात्रा पिछले करीब दो सालों से एक-दूसरे को जानते थे। दोनों ने साथ में इंटरमीडिएट की पढ़ाई की थी और बाद में टीएस मिश्रा कॉलेज में बीसीए में दाखिला लिया था। पुलिस के मुताबिक, दोनों के बीच प्रेम संबंध थे, लेकिन पिछले कुछ दिनों से बातचीत बंद थी। पूछताछ में आरोपी देवांश ने बताया कि छात्र किसी और लड़के से बात करने लगी थी इसी बात से नाराज होकर देवांश ने विरोध भी किया था। बीते एक हफ्ते से दोनों में बात भी नही हो रही है। इसी सिलसिले में बुधवार दोपहर देवांश छात्रा के घर गया था और कहासुनी के बाद छात्रा की चाकू से गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी थी।

उस समय छात्रा के माता-पिता अमेठी गए हुए थे और बड़ी बहन कॉलेज गई थी। पुलिस के अनुसार, घर के भीतर दोनों के बीच कहासुनी हुई, जिसके बाद आरोपी ने चाकू से गला रेतकर छात्रा की हत्या कर दी।

युवती की मौत, सोते समय झोपड़ी में दबी बारिश के चलते हादसा

गोसाईंगंज के 250 घरों में 3 दिन से बत्ती गुल

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लगातार बारिश के चलते लखनऊ के मोहनलालगंज में झोपड़ी गिरने से एक युवती की मौत हो गई। रात में 1 बजे यह हादसा हुआ। उस समय परिवार सो रहा था। वहीं, बारिश के ही कारण गोसाईंगंज में 250 घरों में 3 दिन से बिजली नहीं आई है। बच्चों की पढ़ाई के साथ लोगों की दिनचर्या अस्त-व्यस्त है।

गुरुवार को लगातार बारिश का चौथा दिन है। गुरुवार को 26.7 मिलीमीटर बारिश हुई है। यह सामान्य बारिश 8.3 मिलीमीटर की तुलना में 221 फीसदी अधिक है। 1 जून से लेकर अभी तक मानसून में 261.9 मिलीमीटर बरसात हुई है।

जबकि सामान्य बारिश का औसत 360.8 मिलीमीटर है। यानी पूरे सीजन में अब तक सामान्य से 27 फीसदी कम बरसात हुई है। हालांकि, बीते 3 दिन में 64.4 मिमी बारिश हो चुकी है। बुधवार को 7.5 मिलीमीटर बारिश हुई।

यह सामान्य की तुलना में 14 फीसदी अधिक थी क्योंकि इस दिन सामान्य बारिश का कोटा 6.6 मिमी था। मौसम विभाग की ओर से बताया गया है कि 9 अगस्त तक बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है।

क्राइस्ट चर्च स्कूल से 50 मीटर की दूरी पर काठमांडा हाउस के सामने जलभराव हो गया है। स्कूल के बच्चों को पानी में घुसकर निकलना पड़ा। इस दौरान स्कूटी सवार युवक पानी में गिर गया। बारिश के चलते हजरतगंज में भीषण जाम लग गया है। हजरतगंज चौराहे से लेकर क्राइस्ट चर्च स्कूल और सिविल अस्पताल तक वाहनों की कतार लगी है। गोसाईंगंज नगर पंचायत के साहन टोला वार्ड और नेवातिन टोला में पिछले 65 घंटे से बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप है। करीब 250 घरों के लोग रात में मोमबत्ती और अन्य वैकल्पिक साधनों के सहारे गुजारा कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में करीब 40 मीटर तार खराब होने के कारण बिजली आपूर्ति बाधित है। कई बार शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो सका है।

लगातार तीन दिन से अधिक समय तक बिजली न मिलने से पेयजल संकट गहरा गया है।

कार्यालय-नगर पंचायत जहाँगीरगंज -अम्बेडकरनगर

पत्रांक-242/ न0प0जहा0/निविदा/2026-27 दिनांक 06/08/2026

निविदा सूचना

एतद्द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत जहाँगीरगंज क्षेत्रान्तर्गत दिन-अनुदिन प्रयोग होने वाले जलापूर्ति एवं अन्य सामग्रियों के आपूर्ति एवं अधिष्ठापन हेतु निविदा/ कोटेशन दिनांक 07/8/26 से दिनांक 18/8/26 को समय दिन में 12:00 बजे तक कार्यालय में प्राप्त कर सकते हैं। निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्म/ आपूर्तिकर्ता अपना-अपना मोहरबन्द लिफाफा अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 19/088/26 तक जमा कर सकते हैं, साथ में निविदा दाता को जीएसटी नम्बर, आधारकार्ड एवं पैन कार्ड की छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा। किसी भी निविदा/ कोटेशन को निरस्त करने का अधिकार अधिशासी अधिकारी/ अध्यक्ष महोदय का होगा।

क्र०सं०	कार्य का विवरण
1.	इंडिया मार्का ।। हैण्डपम्प रिबोर एवं अधिष्ठापन एवं मरम्मत के सम्बन्ध में
1	इंडिया मार्का ।। हैण्डपम्प हेतु टोटी, हैण्डल, तिपाई, एक्सल, बैरिंग, चेन, सरिया, स्लिप सिलेन्डर चेकवाल बाइरार किट सी०पी० राड तथा जी0आई पाइप 32 एम०एम० ग्रीस मजदूरी
2	रिबोर
3	अधिष्ठापन
2.	पाईप लाइन एवं पम्प मरम्मत हेतु उपकरणों की आपूर्ति
1	रेड्यूसर बैण्ड CL-15CIDF बैण्ड CL-15 CIDFटी फिटिंग CL-15 CIDF
2	हेडॉप्टर, हथौड़ी पाईप रिच 24 इंच, पाईप रिच 18 इंच
3	निपल 18 इंच 160 एम०एम० मेल फिमेल CL-15 CIDF स्विच वाल CL-15 खबर पैकिंग, सालवेन्ट (लिक्विड) डी ज्वाइंटर CL-15 सीमेन्ट पाइप CL-15 jcj पैकिंग नट बोल्ट 4 सूत 1.5 इंच, 5 सूत 4 इंच,5 सूत 12 इंच, पाइप CL-15 (CI) रबर रिंग CL-15
4	रबर रिंग 15mm, 25mm, 40mm, 63mm, 75mm, 90mm, 110mm, 140mm, 160mm
5	रबर रिंग 15mm, 25mm, 40mm, 63mm, 75mm, 90mm, 110mm, 140mm, 160mm
6	रबर रिंग 15mm, 25mm, 40mm, 63mm, 75mm, 90mm, 110mm, 140mm, 160mm
7	रबर रिंग 15mm, 25mm, 40mm, 63mm, 75mm, 90mm, 110mm, 140mm, 160mm
8	रबर रिंग 15mm, 25mm, 40mm, 63mm, 75mm, 90mm, 110mm, 140mm, 160mm
9	रबर रिंग 15mm, 25mm, 40mm, 63mm, 75mm, 90mm, 110mm, 140mm, 160mm

नोट :- कार्य अथवा निविदा/कोटेशन से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

(उमेश कुमार पासी)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत-जहाँगीरगंज, अम्बेडकरनगर।

सुनीता
अध्यक्ष
नगर पंचायत-जहाँगीरगंज, अम्बेडकरनगर।

यूपी में 40 सरकारी स्कूलों में बाढ़ का पानी घुसा

अलर्ट

सरयू में 7 दिन में 27 मकान समाए, डीएम नाव से गांव में पहुंचीं

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर, मेरठ । यूपी में मानसूनी बारिश का सिलसिला जारी है। गुरुवार सुबह से लखनऊ, सहारनपुर, मेरठ समेत 20 से अधिक शहरों में बारिश हो रही है। वाराणसी में कई सड़कों पर पानी हो गया है। कौशांबी और प्रयागराज में लगातार बारिश के चलते 8वीं तक के स्कूल बंद कर दिए गए हैं। प्रदेश के 35 से ज्यादा शहरों में बादल छाए हुए हैं।

बारिश के बीच हादसों का सिलसिला भी जारी है। बाराबंकी में मदरसे पढ़ने जा रहे 5 बच्चों पर जर्जर दीवार गिर गई। पांचों बच्चे मलबे में दब गए। हादसे में 7 वर्षीय भाई और 14 वर्षीय बहन की मौत हो गई, जबकि तीन बच्चों को ग्रामीणों ने मलबे से निकालकर अस्पताल पहुंचाया। प्रतापगढ़ में लगातार बारिश के बीच 100 साल पुराना मकान ढह गया। हादसे में एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत हो गई। देवरिया में उफनाए तालाब में डूबने से एक राजमिस्त्री की जान चली गई। लगातार बारिश से नदियां भी उफान पर हैं। फर्रुखाबाद में गंगा खतरे के निशान के करीब पहुंच गई है। 33 गांवों और 40 सरकारी स्कूलों में बाढ़ का पानी घुस गया है। हाईवे के ऊपर से पानी बह रहा है।

वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से रत्नेश्वर महादेव मंदिर आधे से ज्यादा डूब गया है।

अयोध्या में एक घंटे की तेज बारिश, सड़कों पर भरा पानी

अयोध्या में गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे शुरू हुई तेज बारिश लगभग एक घंटे तक जारी रही। बारिश से शहर की कई सड़कों और निचले इलाकों में जलभराव हो गया। वहीं, लंबे समय से उमस और गर्मी से परेशान लोगों को राहत मिली। बारिश के चलते कई जगह यातायात भी प्रभावित रहा।

आगरा में बारिश से जलभराव

आगरा में गुरुवार सुबह 8:30 बजे से रुक-रुककर बारिश हो रही है। लगातार बारिश के कारण शहर में करीब 30 स्थानों पर जलभराव हो गया।

> लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया- मानसूनी सिस्टम अब यूपी के ऊपर एक्टिव हो गया है। यह दिल्ली, लखनऊ और पटना से होकर गुजर रहा है। इस वजह से कई चक्रवात सक्रिय हो गए हैं। गंगा के मैदानी इलाकों में मानसूनी हवाएं पहुंच गई हैं। इसके असर से अगले 4 से 5 दिनों तक पूरे प्रदेश में झमाझम बारिश होगी।

वाराणसी में जोरदार बारिश, कबीरचौरा मंडलीय अस्पताल परिसर में भरा पानी

वाराणसी में लगातार हो रही तेज बारिश के बाद कबीरचौरा मंडलीय अस्पताल परिसर में जलभराव हो गया। अस्पताल के कई हिस्सों में पानी भरने से मरीजों, उनके परिजनों और अस्पताल स्टाफ को आने-जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बारिश के कारण शहर के कई अन्य इलाकों में भी जलभराव की स्थिति बन गई, जिससे लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हुई।

फास्ट न्यूज

मिशिगन प्राइमरी जीतकर अब्दुल अल-सईद ने रचा इतिहास

वाशिंगटन। अमेरिका अपने पहले मुस्लिम सीनेटर को चुनने के करीब पहुंच गया है। मिशिगन से डेमोक्रेटिक नेता अब्दुल अल-सईद ने 2026 चुनाव चक्र की सबसे चर्चित प्राइमरी में पार्टी के बड़े नेताओं के समर्थन वाली चार बार की प्रतिनिधि हेली स्टीवंस को हरा दिया है। अगर अल-सईद नवंबर में रिपब्लिकन उम्मीदवार माइक रोजर्स को हरा देते हैं, तो वह अमेरिकी राजनीति में 250 साल का रिकॉर्ड तोड़ देंगे।

अमेरिका ने सख्त किए इमीग्रेशन रूल्स

वॉशिंगटन। अमेरिका ने इमिग्रेशन से जुड़े फायदों के लिए प्रोसेसिंग के नियमों को सख्त कर दिया है। अब इमिग्रेशन अधिकारी वीजा, ग्रीन कार्ड, नागरिकता और इमिग्रेशन से जुड़े दूसरे फायदों के लिए अधूरे या बिना जरूरी दस्तावेजों वाले आवेदनों को बिना अतिरिक्त सबूत मांगे ही रिजेक्ट कर सकते हैं। यह बदलाव तुरंत लागू हो गया है और इससे अमेरिका में पढ़ाई, काम या बसने की चाह रखने वाले हजारों भारतीय आवेदकों पर असर पड़ सकता है। यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज ने घोषणा की है कि आवेदकों को आवेदन करते समय ही इमिग्रेशन से जुड़े फायदे के लिए अपनी पात्रता साबित करनी होगी।

'ईरान को सीरिया जैसा बनाने की कोशिश की'

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने बुधवार को राष्ट्र के नाम दिए संबोधन में कई बड़ी बात कही और दुश्मनों को कड़ा संदेश भी दिया। साथ ही उन्होंने देश के नए सुप्रीम लीडर और लोगों की एकजुटता की भी तारीफ की। पेजेशकियन ने कहा कि दुश्मन ताकतों ने युद्ध, प्रतिबंधों और राजनीतिक दबाव के जरिए इस्लामिक रिपब्लिक को अस्थिर कर सीरिया जैसा हाल करने की कोशिश की थी, लेकिन ईरानी लोगों की एकता और नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई के नेतृत्व के कारण ये साजिशें नाकाम हो गईं।

योगी सरकार का गोरखपुर का 'मातृ सेवा' मॉडल बना जीवनरक्षक

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार का मातृ मृत्यु दर कम करने के लिए ट्रायल के तौर पर गोरखपुर में चलाया जा रहा पायलट प्रोजेक्ट पूरे प्रदेश के लिए नजीर बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पायलट प्रोजेक्ट 'मातृ सेवा' का लक्ष्य हाई रिस्क गर्भवती केसों को तुरंत बड़े अस्पतालों में रेफर कर बचाना है। गोरखपुर में बीते दो महीने में पहल के तहत 15 अतिगंभीर पोस्टपार्टम हैमरेज (प्रसव के बाद अत्यधिक रक्तस्राव) के मामलों को बचाया गया है। अब आसपास के जिलों के हाईरिस्क मरीजों को भी गोरखपुर में एडमिट किया जा रहा है। सीएमओ डॉ. राजेश झा ने बताया कि प्रदेश में पहली बार किसी जिले में उच्च जोखिम गर्भावस्था में जान बचाने का अनोखा अभियान चल रहा है। 21 मई से शुरू अभियान में अब तक दो महीने में 363 उच्च जोखिम वाली गर्भवतियों का इलाज किया गया है। इनमें से 55 तो पोस्टपार्टम हैमरेज के केस थे। इन 55 में से 15 तो अतिगंभीर मामले थे जिन्हें टीम के अलर्ट मोड में होने के कारण बचाया जा सका। पोस्टपार्टम हैमरेज मातृ मृत्यु की सबसे बड़ी वजह है। इसके अलावा 43 अतिगंभीर एनिमिया व 19 एक्लम्पसिया (गर्भावस्था के दौरान अचानक दौरे पड़ना या बेहोश हो जाना) के मामले भी बचाए जा सके। सीएमओ ने बताया कि दो महीने की ट्रायल रिपोर्ट वरिष्ठ अधिकारियों को भेजी जाएगी। अगर यह प्रदेश के अन्य जिलों में लागू होती है तो यह मातृ मृत्यु दर को कम करने का कारगर हथियार साबित हो सकता है। देवरिया का केस इस बात की नजीर है कि हाईरिस्क प्रेगनेंसी मैनेजमेंट सिस्टम के फौरन एक्शन में आने से कैसे एक जान बच गई। महर्षि देवरहा चिकित्सा महाविद्यालय देवरिया की आन ड्यूटी चिकित्सा अधिकारी डॉ. नूपुर श्रीवास्तव ने बताया कि देवरिया की रिंकी देवी (34) ने बीते सोमवार को पथरदेवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर एक बच्चे को जन्म दिया।

'तिरंगा संगीत समारोह' में राष्ट्र नायकों को मिलेगा सम्मान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्र नायकों को सम्मान देने के साथ ही भावी पीढ़ी में देशभक्ति का संचार करने के लिए डबल इंजन सरकार 'हर घर तिरंगा' अभियान का आयोजन कर रही है। इस अभियान के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के 5 करोड़ घरों में तिरंगा फहराया जाएगा। इसके साथ ही देशभक्ति से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम भी होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी आयोजनों को जनभागीदारी के साथ मनाने का निर्देश दिया है। इस श्रृंखला में राजधानी लखनऊ समेत सभी 75 जनपदों में 'तिरंगा संगीत समारोह' (तिरंगा कॉन्सर्ट) का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें राष्ट्रभक्ति के गीतों-नृत्यों पर मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। हर घर तिरंगा अभियान-2026 के तहत भव्य तिरंगा महोत्सव भी होगा। इसके अंतर्गत तिरंगा मेला व भव्य तिरंगा म्यूजिकल कॉन्सर्ट भी आयोजित किया जाएगा। इसमें जनप्रतिनिधियों के साथ ही जनसहभागिता भी सुनिश्चित की जाएगी। तिरंगा कॉन्सर्ट में नामचीन कलाकारों के साथ ही स्थानीय कलाकारों को भी मौका दिया जाएगा। सभी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत रहेंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विगत दिनों बैठक में निर्देश दिया था कि 14 व 15 अगस्त को प्रदेश के सभी सिनेमाघरों में राष्ट्रगीत व राष्ट्रगान का अनिवार्य रूप से प्रसारण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने 'हर घर तिरंगा' का उद्देश्य बताते हुए कहा कि भावी पीढ़ी को राष्ट्र के गौरवशाली इतिहास से परिचित कराना, प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्रप्रेम, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के प्रति सम्मान का भाव उजागर करना और राष्ट्र के प्रति दायित्वबोध उत्पन्न करना है।

जनपद, ब्लॉक, तहसील, ग्राम पंचायतों में भी ये आयोजन किए जाएं। इसमें जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ नागरिकों, व्यापार मंडलों, सामाजिक संगठनों, परिवहन क्षेत्र, आरडब्ल्यूए, सरकारी सेवकों, शिक्षण संस्थानों, एनसीसी व एनएसएस आदि की भी सहभागिता रहे।

महल छोड़ सेना में शामिल हुई डेनिश राजकुमारी इसाबेला

कोपेनहेगन, एजेंसी

डेनमार्क के शाही परिवार में ऐतिहासिक पल आया। किंग फ्रेडरिक X और क्वीन मैरी की 19 साल की बेटी प्रिंसेस इसाबेला ने 3 अगस्त को 11 महीने की मिलिट्री सर्विस शुरू कर दी।

वह डेनमार्क के शाही परिवार की पहली महिला सदस्य हैं जिन्हें पूरी एक्टिव मिलिट्री भर्ती दी जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक, हाई स्कूल से ग्रेजुएट होने के कुछ हफ्ते बाद ही इसाबेला स्लैगेल्से के एंटवोर्सकोव बैरक में गार्ड हुसार रेजिमेंट में रिपोर्ट करने पहुंचीं।

अपने पहले दिन प्रिंसेस ने लो-प्रोफाइल रखा। वह खुद काली SUV चलाकर बैरक पहुंचीं। पहनावा भी आम लड़कियों जैसा था। एंट्रेंस पर उन्होंने ड्यूटी पर तैनात गार्ड को अपनी पहचान दिखाई। कुछ लोकल जर्नलिस्ट और फोटोग्राफर मौजूद थे। अंदर जाने से पहले प्रिंसेस ने उनसे थोड़ी देर बात भी की। इसाबेला अपने बड़े भाई क्राउन प्रिंस क्रिश्चियन के नक्शेकदम पर चल रही हैं। क्रिश्चियन ने भी इसी बैरक में सर्विस पूरी की थी और अब सेकंड लेफ्टिनेंट की ट्रेनिंग ले रहे हैं। डेनमार्क के शाही परिवार के सदस्य पारंपरिक रूप से आर्म्ड फोर्सेज़ में काम करते आए हैं, लेकिन एक्टिव 11 महीने की भर्ती पूरी करने वाली पहली महिला इसाबेला ही हैं।

दूसरे रिक्रूट्स से अलग, प्रिंसेस इसाबेला को कोई सैलरी या डेली अलाउंस नहीं मिलेगा। डेनमार्क के शाही परिवार ने कन्फर्म किया है कि इसाबेला ने पैसे लेने से मना कर दिया है।

रेस्टोरेंट में 6 लड़कों ने एक युवक को पीटा

कानपुर। कानपुर में एक रेस्टोरेंट के अंदर 5-6 लड़कों ने एक युवक की बेरहमी से पिटाई कर दी। पहले उसे जमीन पर गिराकर लात-घूंसों से पीटा, फिर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। मारपीट में युवक के सिर में गंभीर चोट आई। बीच-बचाव करने पहुंचे उसके दोस्त के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की।

पुलिस के मुताबिक, बुधवार रात करीब 10:30 बजे युवक अपने दोस्त से मिलने रेस्टोरेंट गया था। इसी दौरान एक युवक ने उसका मोबाइल छीन लिया। मोबाइल वापस मांगने पर आरोपी गाली-गलौज करने लगे और विरोध करने पर 10-12 लड़कों ने उसे घेरकर पीटना शुरू कर दिया। घटना हनुमंत विहार थाना क्षेत्र की है। वारदात रेस्टोरेंट में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। तौधकपुर के दीनदयाल पुरम निवासी रोशन खरे ने बताया- मेरा दोस्त रेस्टोरेंट में काम करता है। 5 अगस्त की रात करीब 10:35 बजे मैं उससे मिलने गया था। वह काम में व्यस्त था, इसलिए मैं वहीं बैठकर मोबाइल पर सीरियल देखने लगा।

कार्यालय नगरपालिका परिषद अकबरपुर-अम्बेडकरनगर

पत्रांक-2188/जलकल-निविदा (2026-27) दिनांक-06-08-2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर के समस्त पंजीकृत फर्म/पलम्बरों/ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद अकबरपुर द्वारा रा०वि०आ०/पालिका निधि के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से निम्नलिखित पाइप लाइन विस्तार व समरसेबल बोरिंग सहित अधिष्ठापन का कार्य कराये जाने हेतु सील बन्द निविदायें दिनांक 18.08.2026 को समय 03:00 बजे अपरान्ह तक आमांत्रित की जाती है निविदा प्रपत्र दिनांक-17.08.2026 को अपरान्ह 04:00 बजे तक नगर पालिका कार्यालय से निर्धारित मूल्य पर नगद भुगतान कर प्राप्त किया जा सकता है तथा निविदायें निर्धारित तिथि दिनांक- 18.08.2026 को समय 03:00 बजे अपरान्ह तक निविदा पेटिका में डाली जा सकती है। जो उसी दिन अधोहस्ताक्षरी के समक्ष अपरान्ह 04:00 बजे निविदा खोली जायेगी। अन्य जानकारी नगर पालिका परिषद अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर कार्यालय से कार्य दिवस में की जा सकती है।

क्र० स०	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत	धरोहर धनराशि	निविदा मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	वार्ड नं0-24 तमसापुल से पुराना विकास भवन व वी-2 मार्ट तक 90 एमएम पाइप लाइन का विस्तार का कार्य।	483758.00	9600	500	30 दिवस
2	वार्ड नं0-24 नई सड़क शहजादपुर राजपेन्ट हाउस से दूल्हाघर तक 90 एमएम पाइप लाइन विस्तार का कार्य।	474420.00	9400	500	30 दिवस
3	वार्ड नं0-01 नेहरूनगर में पिल्लू मिस्त्री के मकान से मेवालाल, परशुराम, बुद्विराम,हनीफ व सन्तराम के मकान तक 90 एमएम पाइप लाइन विस्तार कार्य।	471275.00	9200	485	30 दिवस
4	वार्ड नं0-01 नेहरूनगर में जवाहिर, राजाराम, उजागिर, राजेश, कृष्णा मौहरिया एवं दिनेश, राम बली बिछाने का कार्य।	423361.00	8600	500	30 दिवस
5	वार्ड नं0-01 नेहरूनगर में मरैला जेलरोड से राम चन्दर के मकान तक 90 एमएम पाइप लाइन विस्तार का कार्य।	467775.00	9000	450	30 दिवस
6	मो०-मुरादाबाद में 01 अद्द 03 एचपी समरसेबल बोरिंग सहित अधिष्ठापन कार्य।	488496.00	9600	500	30 दिवस
7	मो०-इन्द्रलोक कालोनी में शैलेन्द्र सिंह के मकान से निर्मल सिंह के मकान तक संतोष सिंह सिंह, शकील के मकान से मास्टर के मकान तक 90 एमएम पाइप लाइन विस्तार का कार्य ।	349190.00	6500	400	30 दिवस
8	वार्ड कृष्णानगर मो० शान्तीनगर में पिच रोड से लालजी व बब्बन सिंह के मकान तक व मेन रोड से हरिकेवल पाण्डेय व धर्मेन्द्र के मकान से मंगरूराम वर्मा के मकान तक 90 एमएम पाइप लाइन विस्तार का कार्य।	291141.00	5800	300	30 दिवस
9	मो०-नासिरपुर बरवां में आदित्य नारायण वर्मा के घर से धर्मेन्द्र मिश्रा के मकान होते हुए अक्कू तिवारी के मकान तक 90 एमएम पाइप लाइन का विस्तार कार्य।	187361.00	4500	250	30 दिवस
10	मो० मिर्जापुर कोड़रा से आलोक तिवारी के मकान तक व आलोक तिवारी के मकान से शैलेन्द्र यादव होते हुए अर्चना सिंह व ज्योति सिंह के मकान तक 90 एमएम तक लाइन विस्तार का कार्य।	458119.00	9000	450	30 दिवस
11	मो० मिर्जापुर में अरविन्द यादव के मकान से सी०ए०वी० स्कूल तक व रतनपुर में मेन रोड से कुलदीप सिंह के मकान तक तथा रतनपुर युनुस से मजनू से आरफि तक 90 एमएम पाइप लाइन विस्तार का कार्य।	448400.00	8800	450	30 दिवस
12	वार्ड नं0-17 मिर्जापुर में शिवाकान्त मिश्रा के मकान से प्रमोद मिश्रा के मकान तक 90 एमएम पाइप लाइन का विस्तार का कार्य।	161217.00	3500	200	30 दिवस

निविदा की शर्ते-

1. निविदा स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा।
2. निविदा स्वीकृति उपरान्त जमानत धनराशि के साथ निर्धारित स्टाम्प पर अनुबन्ध करने की जिम्मेदारी निविदादाता की होगी। जमानत धनराशि एन.एस.सी. / एफ.डी.आर. / के०वी०पी० जो अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद अकबरपुर के नाम बंधक होगी, स्वीकार की जायेगी।
3. निविदा के साथ धरोहर धनराशि एन.एस.सी./एफ.डी.आर./ के0वी0पी0 के रूप में जमा करना अनिवार्य होगा। जो अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद अकबरपुर के नाम बंधक होगी।
4. सीलबन्द लिफाफे के ऊपर कार्य संख्या एवं कार्य का नाम लिखना अनिवार्य है।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
अकबरपुर अम्बेडकरनगर

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
अकबरपुर अम्बेडकरनगर

ब्रोंको टेस्ट के लिए 40 सेकेंड कम मिलेंगे, टीम इंडिया में गिर रहा था फिटनेस लेवल

बीसीसीआई ने फिटनेस टेस्ट को कठिन बनाया

मुश्किल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों के लिए फिटनेस टेस्ट पास करना अब पहले से ज्यादा मुश्किल हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक BCCI ने ब्रोंको टेस्ट का बेस टाइम 6 मिनट से घटाकर 5 मिनट 15 सेकंड से 5 मिनट 20 सेकेंड कर दिया है। अब खिलाड़ियों को 1200 मीटर की दौड़ इस तय समय के भीतर पूरी करनी होगी।

साथ ही 2 किलोमीटर दौड़ (2K टेस्ट) के लिए 9 से 10 मिनट की समय सीमा तय की गई है। पहले क्रिकेटरों की फिटनेस के लिए यो-यो टेस्ट होता था, लेकिन अब उसकी जगह ब्रोंको टेस्ट को प्राथमिक फिटनेस टेस्ट बना दिया गया है। बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) ने खिलाड़ियों में लगातार बढ़ती इंजरी और गिरते फिटनेस स्टैंडर्ड को देखते हुए यह बदलाव किया है। BCCI ने टीम मैनेजमेंट और मेडिकल टीम के बीच बेहतर तालमेल के लिए नए बेस पैरामीटर्स (न्यूनतम मापदंड) भी तय किए हैं। खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने और इंग्लैंड के अनुकूल मौसम में भी मांसपेशियों में खिंचाव यानी क्रैम्प्स की शिकायतों के बाद BCCI सेक्रेटरी देवजीत सैकिया और टीम मैनेजमेंट ने टीम के फिजियो कमलेश जैन से जवाब-तलब किया है। उन्हें साफ कहा गया है कि किसी भी खिलाड़ी के कद या स्टार स्टेटस की परवाह किए बिना फिटनेस में कमी दिखे तो उसकी तुरंत जानकारी दें। मैनेजमेंट का मानना है कि कई खिलाड़ियों की मैदान पर मोबिलिटी घटी है और लंबे समय तक बल्लेबाजी के दौरान सीनियर बल्लेबाजों को दौड़कर रन लेने में परेशानी हो रही है।

बुमराह श्रीलंका टेस्ट सीरीज से बाहर

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) और टीम मैनेजमेंट के बीच तालमेल की कमी भी सामने आई है। बुमराह को 15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज के पहले मैच तक फिट करने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन CoE ऐसा नहीं कर सका। वहीं सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट वाले खिलाड़ियों को नए फिटनेस पैरामीटर्स की जानकारी भी देर से मिली। मोहम्मद सिराज जब श्रीलंका दौरे से पहले CoE पहुंचे तो अचानक ब्रोंको और 2K टेस्ट कराए जाने से हैरान रह गए। अब गैर-टेस्ट खिलाड़ियों को भी इन्हीं नए मानकों के अनुसार तैयारी करने के लिए कहा गया है।

हर्षित और नीतीश को अनफिट के बावजूद क्लियरेंस मिली थी

BCCI सूत्रों के मुताबिक पिछले एक साल में फिटनेस टेस्ट के मानकों का सख्ती से पालन नहीं किया गया। कुछ सीनियर खिलाड़ियों को पास कराने के लिए अपेक्षाकृत आसान लक्ष्य दिए गए। टीम मैनेजमेंट की मांग पर CoE स्टाफ ने हर्षित राणा और नीतीश कुमार रेड्डी को पूरी तरह फिट नहीं होने के बावजूद क्लियरेंस दे दी थी।

इंग्लैंड दौरे के दौरान हर्षित राणा को वापस भेजा गया था। तब दावा किया गया था कि उनका वजन तय सीमा से ज्यादा है। टीम मैनेजमेंट के अनुसार उनका वजन 97 किलो था। अब CoE ने उनका वजन 96 किलो से कम रखने का लक्ष्य तय किया है। फिलहाल उनका वजन 94 किलो है और अगले हफ्ते तक उन्हें फिट घोषित किया जा सकता है।

कमलेश जैन साल 2022 में नितिन पटेल की जगह टीम इंडिया के फिजियो बने थे।

अबु धाबी के यशराज को किस्मत ने बनाया क्रिकेटर

बेंगलुरु, एजेंसी

साल 2023 की गर्मियों की बात है। 17 साल के यशराज पुंजा मेडिकल की पढ़ाई के लिए ब्रिटेन जाने की तैयारी कर रहे थे। लेकिन, बेंगलुरु की एक ट्रिप ने उनकी जिंदगी का रुख ही बदल दिया। मेडिकल की किताबों से लेकर राजस्थान रॉयल्स के लिए आईपीएल में लेग स्पिन गेंदबाजी करने तक, 20 वर्षीय यशराज का यह 3 साल का सफर किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। अबु धाबी में रहने वाले यशराज भारत में पेशेवर क्रिकेट खेलने की कोई योजना नहीं बना रहे थे। गर्मियों की छुट्टियों में वह बेंगलुरु आए और खुद को फिट रखने के लिए कर्नाटक के पूर्व कप्तान कार्तिक जसवंत की एकेडमी से 15 दिनों के लिए जुड़ गए। उनकी बेहतरीन गेंदबाजी ने कोचों का ध्यान खींचा। एक हफ्ते बाद शहर में राजस्थान रॉयल्स का कैंप था। यशराज ने माता-पिता को मनाया और कैंप में हिस्सा लिया। अपनी सटीकता और टर्न से उन्होंने टीम के स्काउट्स को प्रभावित किया और आईपीएल 2024 से पहले एक नेट बॉलर के रूप में रॉयल्स से जुड़ गए। यशराज ढाई साल तक रॉयल्स के साथ नेट बॉलर रहे। 2026 की नीलामी में रॉयल्स ने उन्हें 30 लाख रुपए में अपने खेमे में शामिल कर लिया। 19 अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ उन्होंने ईडन गार्डन्स में इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में डेब्यू किया। युजवेंद्र चहल को आदर्श मानने वाले यशराज ने अनिल कुंबले, राशिद खान और रवि बिश्नोई जैसे दिग्गजों से भी टिप्स लिए। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने उन्हें सिखाया कि सपाट पिचों पर हमेशा विकेट के पीछे भागने की बजाय बल्लेबाजों को रन बनाने से रोकना भी एक शानदार आक्रामक रणनीति है।

तन्वी शर्मा कोरिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

श्रेयांशी को 21-16, 17-21, 21-13 से हराया पिछले हफ्ते ताइपे ओपन जीता था

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की 17 साल की बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा का शानदार फॉर्म जारी है। पिछले हफ्ते ताइपे ओपन सुपर-300 का खिताब जीतकर इतिहास रचने वाली तन्वी ने अब कोरिया मास्टर्स 2026 के महिला सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। आसान में खेले गए प्री-क्वार्टर फाइनल में उन्होंने हमवतन श्रेयांशी वालिशेट्टी को 21-16, 17-21, 21-13 से हराया। दो भारतीय खिलाड़ियों के बीच मुकाबले की शुरुआत में श्रेयांशी ने बढ़त बनाई, लेकिन तन्वी ने जल्द ही वापसी करते हुए मैच पर पकड़ मजबूत कर ली। दमदार मूवमेंट और आक्रामक स्ट्रोक्स के दम पर उन्होंने पहला गेम 21-16 से जीत लिया। दूसरे गेम में श्रेयांशी ने शानदार खेल दिखाया। उन्होंने मिड-गेम ब्रेक तक 11-6 की बढ़त बना ली और आखिर तक दबदबा बनाए रखते हुए 21-17 से गेम जीतकर मुकाबला बराबर कर दिया। निर्णायक गेम में तन्वी पूरी तरह हावी रहीं। उन्होंने शुरुआत से बढ़त बनाई और श्रेयांशी को वापसी का मौका नहीं दिया। वर्ल्ड रैंकिंग में 30वें नंबर की तन्वी ने तीसरा गेम 21-13 से जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली।

श्रीलंका इलेवन से होगी भिड़ंत, 15 अगस्त से शुरू होगी सीरीज

श्रीलंका टेस्ट से पहले वार्म अप मैच खेलेगी टीम इंडिया

नई दिल्ली, एजेंसी

श्रीलंका दौरे पर गई भारतीय टीम शुक्रवार से कोलंबो में तीन दिवसीय वार्म-अप मैच खेलेगी। मुकाबला नॉनडेस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब मैदान पर श्रीलंका इलेवन के खिलाफ खेला जाएगा। यह मैच 15 अगस्त से गॉल में शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज की तैयारियों का अहम हिस्सा होगा।

इस मैच में भारतीय बल्लेबाजों का सबसे बड़ा फोकस स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अपनी तकनीक को और मजबूत करना रहेगा।

हाल के महीनों में भारत को घरेलू टेस्ट सीरीज में न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के खिलाफ स्पिन के सामने संघर्ष करना पड़ा था। श्रीलंका की परिस्थितियां भी स्पिन गेंदबाजों के लिए अनुकूल मानी जाती हैं और मेजबान टीम के पास घरेलू हालात का फायदा उठाने वाले अनुभवी स्पिनर मौजूद हैं। ऐसे में पहले टेस्ट से पहले यह अभ्यास मैच भारतीय बल्लेबाजों के लिए खुद को परखने और कमजोरियों पर काम करने का अच्छा मौका होगा। सिराज और कुलदीप यादव को छोड़ दें तो गेंदबाजी आक्रमण अपेक्षाकृत अनुभवहीन है। हालांकि, गुरनूर बराड़ और सारांश जैन ने पिछले महीने गॉल में इंडिया-ए की ओर से श्रीलंका-ए के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। दोनों गेंदबाज अब सीनियर टीम के साथ भी अपनी छाप छोड़ने की कोशिश करेंगे।

भारतीय टीम की तैयारियों पर मौसम का असर पड़ सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार से कोलंबो में रुक-रुककर बारिश होने की संभावना है। यदि बारिश होती है तो वार्म-अप मैच का खेल प्रभावित हो सकता है, जिससे टीम इंडिया की टेस्ट सीरीज से पहले की तैयारियों पर भी असर पड़ सकता है।

> चोट के कारण जसप्रीत बुमराह इस दौरे का हिस्सा नहीं हैं। उनकी गैरमौजूदगी में तेज गेंदबाजी आक्रमण की जिम्मेदारी मोहम्मद सिराज पर होगी। उनके साथ प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, मानव सुथार और सारांश जैन गेंदबाजी विभाग में नजर आएंगे।

बल्लेबाजों ने पहले से की स्पिन की तैयारी

कप्तान शुभमन गिल, केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल समेत टीम के प्रमुख बल्लेबाजों ने कोलंबो रवाना होने से पहले अपने-अपने घरेलू सेंटर पर स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ विशेष अभ्यास किया था। भारत ने श्रीलंका में पिछली टेस्ट सीरीज 2017 में खेली थी। पिछले आठ सालों में भारतीय टीम में बड़े बदलाव हुए हैं। मौजूदा टेस्ट स्क्वॉड में केवल केएल राहुल, रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव ही ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें श्रीलंका में टेस्ट खेलने का अनुभव है।

मनोरंजन

'सलमान से खास कनेक्शन काम नहीं आया'

कियारा आडवाणी बोलीं-कई बार रिजेक्ट हुई, लोग 'कबीर सिंह' मेरी पहली फिल्म समझते हैं

नई दिल्ली। आज कियारा आडवाणी बॉलीवुड की सबसे सफल अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। बड़े बैनर, करोड़ों की फिल्में और देशभर में करोड़ों प्रशंसक उनके नाम हैं। हालांकि, फिल्म इंडस्ट्री में सलमान खान से खास कनेक्शन होने के बावजूद उनके लिए सफलता की राह आसान नहीं रही। पहली ही फिल्म फ्लॉप हो गई, महीनों तक काम नहीं मिला, 'एमएस धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी' जैसी सुपरहिट फिल्म के बाद भी उन्हें ऑडिशन देने पड़े और कई बार रिजेक्शन झेलना पड़ा। यही वजह है कि आज भी कई लोग 'कबीर सिंह' को उनकी पहली फिल्म समझते हैं। फैशन इंडस्ट्री में भी उन्हें गंभीरता से नहीं लिया गया। 31 जुलाई 1992 को मुंबई में जन्मीं कियारा आडवाणी का असली नाम आलिया आडवाणी है। उनके पिता जगदीप आडवाणी बिजनेसमैन हैं, जबकि मां जेनेवीव जाफरी टीचर रह चुकी हैं। जेनेवीव जाफरी अभिनेता सईद जाफरी के भाई हमीद जाफरी और उनकी पहली पत्नी वैलेरी की बेटी हैं। बाद में हमीद जाफरी ने अशोक कुमार की बेटी भारती गांगुली से शादी की थी। कियारा का परिवार फिल्मी दुनिया से सीधे तौर पर जुड़ा नहीं था, लेकिन बॉलीवुड से परिचय बचपन से था। कियारा ने बताया है कि वह बचपन में आईने के सामने फिल्मों के सीन दोहराती थीं और स्कूल के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेती थीं। तभी उन्होंने फिल्मों में काम करने का सपना देखा। उन्होंने कैथेड्रल एंड जॉन कॉनन स्कूल से पढ़ाई और जय हिंद कॉलेज से मास कम्युनिकेशन में ग्रेजुएशन किया। 10वीं बोर्ड परीक्षा में उनके 92% अंक आए थे। फिल्मों में आने से पहले कियारा अपनी मां के प्री-स्कूल में छोटे बच्चों को पढ़ाती थीं। Film Companion को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि उन्हें बच्चों के साथ समय बिताना पसंद था। कुछ समय यह काम करने के बाद उन्होंने फिल्मों में आने के लिए ऑडिशन देना शुरू कर दिया।

अक्सर माना जाता है कि सलमान खान के परिवार से रिश्तों की वजह से कियारा को फिल्मों में आसानी से एंट्री मिली, लेकिन असलियत अलग है।

> कियारा का असली नाम आलिया था। बॉलीवुड में कदम रखने की तैयारी के दौरान आलिया भट्ट पहले से स्थापित थीं, इसलिए सलमान खान ने उन्हें नाम बदलने की सलाह दी। कियारा ने 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल' में बताया था कि फिल्म 'अंजाना अंजानी' में प्रियंका चोपड़ा के किरदार 'कियारा' से प्रेरित होकर उन्होंने नया नाम चुना।

'टॉक्सिक' दुनिया भर के सिनेमाघरों में 26 अगस्त 2026 को रिलीज होगी।

प्रदीप रावत के निधन पर खुलासा आईसीयू में दिया गया सीपीआर

एक महीने पहले ब्लड कैंसर का पता चला

मुंबई, एजेंसी

मुंबई में मंगलवार शाम दिग्गज अभिनेता प्रदीप रावत का 74 साल की उम्र में निधन हो गया। सरफरोश, लगान और गजनी जैसी फिल्मों में यादगार अभिनय करने वाले रावत के निधन से फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर है। चार दशक से ज्यादा लंबे करियर में उन्होंने हिंदी, क्षेत्रीय सिनेमा और टेलीविजन में काम किया। बुधवार दोपहर मुंबई में उनका अंतिम संस्कार किया गया, जिसमें आमिर खान और आशुतोष गोवारिकर समेत फिल्म जगत के कई लोग शामिल हुए। अभिनेता के बेटे विक्रमादित्य रावत ने अंतिम संस्कार के बाद मीडिया से बात करते हुए बताया कि परिवार को पहले लगा था कि उन्हें पेट का मामूली संक्रमण है। हालांकि, बाद में डॉक्टरों ने उन्हें ब्लड कैंसर होने की पुष्टि की। विक्रमादित्य ने बताया कि दो महीने पहले ही उनके पिता की मेडिकल रिपोर्ट पूरी तरह सामान्य थी।

विक्रमादित्य ने पिता के अंतिम पलों को याद करते हुए कहा कि 4 अगस्त को उनकी प्लेटलेट्स गिरकर 3 हजार रह गई थी, जबकि यह 3 लाख से ऊपर होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि वे आईसीयू के बाहर इंतजार कर रहे थे और अंदर डॉक्टर उन्हें सीपीआर दे रहे थे।

एक्ट्रेस जिया शंकर ने की बॉयफ्रेंड से सगाई

करण के साथ रोमांटिक तस्वीरें शेयर की

नई दिल्ली। एक्ट्रेस और 'बिग बॉस OTT 2' की पूर्व कंटेस्टेंट जिया शंकर ने अपने बॉयफ्रेंड करण के साथ सगाई कर ली है। जिया ने सोशल मीडिया पर सगाई की तस्वीरें शेयर करके अपने रिश्ते का आधिकारिक तौर पर ऐलान किया है।

सनसेट के दौरान आउटडोर लोकेशन पर हुए इस प्रपोजल की झलकियों के साथ जिया ने अपने मंगेतर के लिए एक इमोशनल नोट भी लिखा है। इस पोस्ट के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर उनके फैन्स और दोस्त कपल को बधाइयां दे रहे हैं।

शेयर की गई तस्वीरों में जिया और करण एक-दूसरे के साथ बेहद खुश नजर आ रहे हैं। करण ने जिया को डूबते सूरज की रोशनी में एक आउटडोर लोकेशन पर अंगूठी पहनाकर प्रपोज किया।

एक फोटो में जिया सरप्राइज होकर अपनी डायमंड एंगेजमेंट रिंग दिखाती नजर आ रही हैं। इस खास मौके पर जिया ने पेस्टल येलो कलर का सैटिन गाउन पहना था, जबकि करण बेज शर्ट और व्हाइट ट्राउजर में नजर आए। जिया ने सोशल मीडिया पर करण के नाम एक भावुक नोट शेयर किया। उन्होंने लिखा, ₹हो सकता है कि यह सच हो, आपको प्यार तब मिलता है जब आप इसकी सबसे कम उम्मीद करते हैं। भले ही तुम मुझसे हजारों मील दूर थे, लेकिन तुमसे हुई हर बातचीत ने घर जैसा अहसास कराया।₹ जिया ने आगे लिखा कि यह सफर आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने हर दिन एक-दूसरे को चुना। उन्होंने करण को अपना बेस्ट फ्रेंड बताते हुए उनके साथ अपनी आगे की जिंदगी बिताने की बात कही।

'गौरव खन्ना को टीआरपी के लिए तलाक नहीं दिया'

नई दिल्ली, एजेंसी

एक्ट्रेस आकांक्षा चमोला ने पति और एक्टर गौरव खन्ना से अपने तलाक को लेकर खुलकर बात की है। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने उन खबरों को खारिज किया जिनमें दावा किया जा रहा था कि उन्होंने लॉक-अप शो में टीआरपी या पब्लिसिटी पाने के लिए अलग होने का ऐलान किया था।

आकांक्षा ने साफ किया कि तलाक की कानूनी प्रक्रिया शो में जाने से पहले ही शुरू हो चुकी थी। अब दोनों पक्षों के वकील मामला लगभग तय कर चुके हैं और सिर्फ आखिरी पेपर्स पर साइन होना बाकी है। आकांक्षा ने खुलासा किया कि वे गौरव खन्ना पिछले 18 महीनों से एक-दूसरे से अलग रह रहे हैं। दोनों के बीच कोई कड़वाहट या नफरत नहीं है और वे अब भी आपस में बातचीत करते हैं। हालांकि, दोनों की जिंदगी को लेकर सोच और प्राथमिकताएं काफी अलग हो चुकी हैं। इसी वजह से दोनों ने आपसी सहमति से एक-दूसरे से अलग होने और अपनी जिंदगी अलग रास्ते पर जीने का फैसला किया है। हाल ही में लॉक अप शो के दौरान आकांक्षा ने अपने पति गौरव खन्ना से अलग होने का एलान किया था। अपने को-कंटेस्टेंट्स श्रेया कालरा और सूफी मोतीवाला से बातचीत में उन्होंने इसकी वजह का खुलासा किया था। शो में जब गौरव खन्ना पहुंचे थे, तब दोनों के बीच काफी बातचीत हुई थी।

> प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब आकांक्षा से पूछा गया कि क्या तलाक की घोषणा किसी तरह की स्ट्रेटजी थी, तो उन्होंने कहा कि कोई भी लड़की इतने बड़े प्लेटफॉर्म पर जाकर पब्लिसिटी के लिए अपने पति से अलग होने की बात नहीं कहेगी।
>
> उन्होंने कहा कि लोग अगर ऐसा सोच रहे हैं तो वे उनकी लीगल टीम से बात कर सकते हैं। जब दो एक्टर्स शादी करते हैं या अलग होते हैं, तो लोग हर बात को पब्लिसिटी मान लेते हैं, जो गलत है।

घायल सैनिकों से मैरिज के मामले बढ़े, अस्पताल और सेना पर भी मिलीभगत के आरोप

रूस - मौत के मुआवजे के लिए शादी कर रही महिलाएं

घोटाला

मॉस्को, एजेंसी

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच रूस में एक नया घोटाला सामने आया है। CNN की रिपोर्ट के मुताबिक कुछ महिलाओं पर आरोप है कि वे युद्ध पर जाने वाले सैनिकों से जल्दबाजी में शादी करती हैं और उनकी मौत के बाद मिलने वाले सरकारी मुआवजे पर कब्जा कर लेती हैं।

रूसी मीडिया और अधिकारी ऐसी महिलाओं को 'ब्लैक विडो' कह रहे हैं। रूस में हाल के महीनों में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें सैनिकों ने मोर्चे पर जाने से ठीक पहले या अस्पताल में मौत से पहले शादी की। इस पूरे स्कैम में अस्पताल से लेकर सेना तक पर मिलीभगत के आरोप लग रहे हैं।

रूस में मुआवजे के लिए शादी करने के मामलों की कोई आधिकारिक संख्या जारी नहीं की गई है। हालांकि रूसी अदालतों में ऐसे कई मामले पहुंच चुके हैं।

सबसे चर्चित मामले में एक सैन्य अस्पताल की नर्स पर आरोप लगा कि उसने इलाज करा रहे पांच घायल सैनिकों से अलग-अलग समय पर शादी की। आरोप था कि सैनिकों की मौत के बाद वह उनका मुआवजा लेना चाहती थी। मामला सामने आने के बाद उसे नौकरी से निकाल दिया गया। आरोप है कि कुछ महिलाएं इसी पैसे के लालच में अकेले, बुजुर्ग या कमजोर सैनिकों को शादी के लिए फंसाती हैं। सैनिक की मौत के बाद पूरा मुआवजा पत्नी को मिल जाता है। परिवार के बाकी लोगों को कुछ भी नहीं मिल पाता। फरवरी 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू

रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में डिजिटल स्क्रीन पर रूसी सेना की ड्रोन यूनिट में कॉन्ट्रैक्ट भर्ती का विज्ञापन दिखाया जा रहा है। इसमें वेतन की जानकारी भी दी गई है।

> **रूस में युद्ध में मारे गए सैनिक के परिवार को सरकार की ओर से कम से कम 50 लाख रूबल (करीब 62 लाख भारतीय रुपए) की एकमुश्त मदद मिलती है। कई अन्य भुगतान और बीमा जोड़ दिए जाएं तो यह रकम और भी ज्यादा हो सकती है।**

होने के बाद रूस ने सेना में भर्ती होने वाले लोगों के लिए शादी के नियम आसान कर दिए।

पिता की मौत के बाद बेटी को पता चला- दो दिन पहले हुई थी शादी

सेंट पीटर्सबर्ग की रहने वाली मारिया को सेना ने बताया कि उनके 59 साल पिता यूरी की यूक्रेन युद्ध में गोली लगने से मौत हो गई। लेकिन उन्हें सबसे बड़ा झटका तब लगा, जब पता चला कि युद्ध पर भेजे जाने से सिर्फ दो दिन पहले उनके पिता ने शादी कर ली थी।

मारिया का कहना है कि उन्होंने उस महिला का नाम पहले कभी नहीं सुना था। वह उनके पिता से 22 साल छोटी थी। शादी के बाद वही कानूनी रूप से यूरी की सबसे करीबी रिश्तेदार बन गई और सरकारी मुआवजे की हकदार भी।

मारिया का आरोप है कि उनके पिता के साथ धोखा हुआ। उनका यह भी दावा है कि पिता का फ्लैट भी बेच दिया गया और अब उनके पास पिता की याद में सिर्फ उस घर की चाबियां बची हैं, जो अब किसी काम की नहीं हैं।

'द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे बड़ा हमला'

किसके दबाव में ईरान बातचीत के लिए हुआ तैयार

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने फिर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान पर दूसरे विश्व युद्ध के बाद का सबसे बड़ा हमला करने ही वाला था, लेकिन आखिरी वक्त पर ईरान ने बातचीत के लिए संपर्क किया।

उन्होंने दावा किया कि बड़े पैमाने पर सैन्य हमले की संभावना ने ईरान को बातचीत की मेज पर लौटने के लिए मजबूर किया।

बुधवार को लास वेगास में एक कार्यक्रम में बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि ईरान के अधिकारियों ने नियोजित ऑपरेशन से ठीक पहले उनसे संपर्क किया था। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने मुझे फोन किया और कहा, कृपया ऐसा न करें, आइए बात करते हैं।

ट्रंप के मुताबिक, अमेरिका के लगातार सैन्य दबाव के कारण ही ईरान बातचीत की मेज पर लौटा।

ट्रंप ने कहा कि वह कूटनीति के लिए तैयार हैं, लेकिन ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर कोई समझौता नहीं होगा। मैं समझौता करना पसंद करूंगा क्योंकि मैं लोगों की जान नहीं लेना चाहता, लेकिन ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकते।

इससे पहले मंगलवार को ट्रंप ने कहा था कि होर्मुज स्ट्रैट को खोलने पर बातचीत में काफी प्रगति हुई है और कल या परसों में समझौते का एलान हो सकता है। वहीं ईरान ने भी बातचीत की पुष्टि की है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि ईरान और ओमान अंतिम चरण में हैं।

पत्थर-पेट्रोल बम फेंके, शेख हसीना के इवेंट में शामिल होने से कट्टरपंथी नाराज थे

बांग्लादेश में क्रिकेटर शाकिब अल-हसन के घर पर हमला

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश के पूर्व क्रिकेटर और अवामी लीग के पूर्व सांसद शाकिब अल हसन के मगुरा शहर में बने घर पर हमला हुआ है। यह घटना पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में शाकिब के शामिल होने के कुछ घंटों बाद हुई। शाकिब के घर पर हमला रात 8.45 से 9 बजे के बीच हुआ। मगुरा सदर पुलिस के अफसर मोहम्मद अब्दुल्ला अल मामून ने बताया कि कुछ उपद्रवियों ने पत्थर फेंके और खिड़कियां तोड़ दीं। हमलावरों ने घर में आग लगाने की कोशिश की। दावा किया जा रहा है कि

इसके लिए हमलावर कोल्डड्रिंक की बोतलों में पेट्रोल भरकर लाए थे। हमले के वक्त घर खाली था, इसलिए किसी के घायल होने की खबर नहीं है। शाकिब इस वक्त श्रीलंका में हैं। घटना के बाद पुलिस फोर्स को तैनात कर दिया गया है। शाकिब ने सांसद बनने के बाद भी क्रिकेट खेलना नहीं छोड़ा है। अगस्त 2024 में जब बांग्लादेश में बगावत शुरू हुई, तब भी शाकिब की आलोचना हुई थी। सरकारी नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ शुरू हुए छात्र आंदोलन के दौरान शाकिब पर आरोप लगे कि उन्होंने अवामी लीग के सांसद होने के कारण चुप्पी साधे रखी। हसीना सरकार गिरने के बाद बांग्लादेश में अवामी लीग नेताओं और सांसदों के घरों पर कई जगह हमले हुए। इनमें शाकिब का मगुरा वाला घर भी शामिल था।

बलूचिस्तान-खैबर पख्तूनख्वा में बढ़ी चुनौती

पाकिस्तान के 4 में से 2 सूबों में बागी तेवर

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के चार सूबे हैं। इनमें से बलूचिस्तान सूबे में अलगाववादी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (BLA) ने विद्रोह का झंडा बुलंद किया हुआ है। खैबर पख्तूनख्वा सूबे में अफगान तालिबान का दबदबा है। आए दिन तालिबान के हमलों से यहां पाक फौज के पांव उखड़ रहे हैं। बलूचिस्तान को पाकिस्तान के खनिजों की खदान भी कहते हैं। बात शुरू की तो खुजदार शहर के युवक मोमिन का पाक सरकार पर गुस्सा फूट पड़ा। मोमिन कहते हैं यहां के ग्वादर पोर्ट पर चीन का कब्जा है।

चीन ने सीपैक के नाम पर यहां लगभग 3 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया है। ग्वादर पोर्ट पर

चीन की फिशिंग बोट्स का कब्जा है। स्थानीय बलूच मछुआरों को चीनी बोट्स खदेड़ देती हैं। इनकी बोट्स बड़ी और ज्यादा पावर वाली होती हैं। ज्यादातर बलूच मछुआरों के पास अब भी पालदार नौकाएं हैं। बलूच बेरोजगार हो रहे हैं। 55 साल के असलम का कहना है कि यहां के रेयर अर्थ मिनरल पर अमेरिका का कब्जा है। पाक आर्मी चीफ मुनीर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के सामने मिनरल की नुमाइश करते हैं। इस खजाने पर केवल बलूचों का हक है।

बलूचिस्तान- पाक के हाथ से 70% क्षेत्र गया

बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा सूबा है। यह देश के करीब 45% हिस्से में फैला है और इसकी सीमा ईरान से लगती है। दूर-दूर तक रेगिस्तान और वीरान पहाड़ हैं। लेकिन इन दिनों इस वीराने में सबसे ज्यादा गूंज गोलियों की सुनाई देती है। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (BLA) के लड़ाके अलग देश की मांग को लेकर लड़ रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि बलूच लड़ाकों और पश्तून (पठान) विद्रोहियों का सूबे के करीब 70% हिस्से पर कब्जा है। अब सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि पाकिस्तानी सेना कितने विद्रोहियों को मार रही है या पकड़ रही है। असली सवाल यह है कि क्या सरकार यहां पुलिस थाने चला पा रही है? क्या हाईवे सुरक्षित हैं? क्या बाजार खुल रहे हैं? और क्या लोग बिना डर के एक शहर से दूसरे शहर जा सकते हैं?

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की सुरक्षा में चूक

लन्दन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के आधिकारिक हेलिकॉप्टर मरीन वन की उड़ान के दौरान सुरक्षा में चूक हुई है। मंगलवार को व्हाइट हाउस से उड़ान भरते समय मरीन वन और एक यात्री विमान तय सुरक्षा दूरी से ज्यादा करीब आ गए। इसके बाद अमेरिकी विमानन नियामक FAA ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना मंगलवार दोपहर करीब 2:30 बजे हुई। ट्रम्प व्हाइट हाउस से जॉइंट बेस एंड्रूज जा रहे थे। उसी समय एनवॉय एयर का एक यात्री विमान भी रीगन वॉशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भर गया। FAA की शुरुआती जांच में पता चला कि दोनों विमान एक-दूसरे के सबसे करीब आने पर सिर्फ 1.3 किलोमीटर की दूरी पर थे। उनकी ऊंचाई में भी महज 700 फीट का अंतर रह गया था। अधिकारियों का कहना है कि दोनों विमान टक्कर की दिशा में नहीं थे और राष्ट्रपति की सुरक्षा को कोई खतरा नहीं हुआ। FAA के नियम के मुताबिक, ऐसे हालात में दो विमानों के बीच कम से कम 2.4 किलोमीटर की दूरी या ऊंचाई में 500 फीट का अंतर होना जरूरी है।

पेन्सिलवेनिया में भारतीय मूल के मकान मालिक पर केस

महिला किराएदार को प्रताड़ित करने का आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी

पेन्सिलवेनिया में भारतीय मूल के मकान मालिक वेंकटचलम मणि के खिलाफ अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस (DOJ) ने संघीय मुकदमा दायर किया है। उन पर एक महिला किराएदार का सेक्शुअल हैरेसमेंट करने और मना करने पर उससे बदला लेने का आरोप है।

पेन्सिलवेनिया के मिडिल डिस्ट्रिक्ट US डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में दायर केस के मुताबिक, स्टेट कॉलेज बरो में एक किराए की प्रॉपर्टी के मालिक मणि ने महिला किराएदार के साथ बार-बार अनचाहे सेक्शुअल ऑफर किए। शिकायत में अनचाहे सेक्शुअल टचिंग का भी जिक्र है।

शिकायत में कहा गया है कि जब महिला ने मणि के ऑफर को ठुकरा दिया तो उन्होंने मेंटेनेंस की रिक्वेस्ट नजरअंदाज करनी शुरू कर दी। इसमें सर्दियों में टूटे हुए फर्नेस की मरम्मत भी शामिल थी।आगे चलकर उसी फर्नेस में आग लग गई, जिसके बाद महिला और उसके बच्चों को घर छोड़कर जाना पड़ा।

जस्टिस डिपार्टमेंट के सिविल राइट्स डिवीजन की असिस्टेंट अटॉर्नी जनरल हरमीत के. ढिल्लों ने कहा,मकान मालिक ने बहुत ज्यादा ठंड होने के बावजूद किराएदार का फर्नेस ठीक नहीं किया क्योंकि महिला ने उनके सेक्शुअल ऑफर को मना कर दिया था।

इससे उसके परिवार को दूसरी जगह न होने के कारण घर छोड़ना पड़ा। यह काम गैर-कानूनी है।

सोने की कीमत 2,735 बढ़कर 1.48 लाख हुई

चांदी आज 931 बढ़कर 2.25 लाख पर पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी की कीमत में आज यानी 6 अगस्त को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 2,735 रुपए बढ़कर 1.48 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

एक किलो चांदी की कीमत 931 रुपए बढ़कर 2.25 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस महीने यानी अगस्त में सिर्फ 6 दिन में ही सोना 5,501 और चांदी 7,198 रुपए महंगी हो चुकी है। अमेरिकी डॉलर का कमजोर होना: डॉलर के कमजोर पड़ने से डॉलर में कीमत वाली सोना-चांदी विदेशी खरीदारों के लिए सस्ती हो जाती है, जिससे मांग बढ़ती है। इससे भी सोने-चांदी को सपोर्ट मिल रहा है। ऑलटाइम हाई से काफी नीचे आए सोना-चांदी: 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख

रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई पहुंच गए थे। तक से इनकी कीमत काफी नीचे आ चुके हैं, ऐसे में निवेशक इसमें खरीदारी कर रहे हैं। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 15 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.48 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी की कीमत में 5 हजार रुपए की गिरावट है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.25 लाख रुपए पर है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96